राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 17 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–172 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

'रेवड़ी कल्चर' देश के विकास के लिए घातक: प्रधानमंत्री मोदी

जालौन (एजेंसी) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराने वाली राजनीति की आलोचना करते हुए कहा कि यह ''रेवड़ी कल्चर'' देश के विकास के लिए बहुत घातक है। उन्होंने कहा कि 'रेवड़ी कल्चर' वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर, उन्हें खरीद लेंगे। हमें मिलकर उनकी इस सोच को हराना है, 'रेवड़ी कल्चर' को देश की राजनीति से हटाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को उप्र के जालौन जिले की उरई तहसील के कैथेरी गांव में लगभग 14,850 करोड़ रुपये की लागत से बने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए और बिना किसी राजनीतिक दल का नाम लिए बिना कहा कि ये 'रेवड़ी कल्चर' वाले कभी आपके लिए नए एक्सप्रेसवे नहीं बनाएंगे, नए एअरपोर्ट या डिफेंस कॉरिडोर नहीं बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड की एक और चुनौती को कम करने के लिए हमारी सरकार निरंतर काम कर रही है। हर घर तक पाइप से पानी पहुंचाने के लिए हम 'जल जीवन मिशन' पर काम कर रहे हैं। उन्होंने लोगों, खासकर युवाओं को ''रेवड़ी कल्चर'' के प्रति आगाह किया और कहा कि यह देश के विकास के लिए ''बहुत घातक'' हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'कनेक्टिविटी' की कमी के लिए उत्तर प्रदेश में पिछली सरकारों पर निशाना साधा और कहा कि ''डबल-इंजन'' की सरकार अब तेजी से बेहतर कनेक्टिविटी के साथ राज्य में बड़ा बदलाव सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से चित्रकूट से दिल्ली की दूरी तीन-चार घंटे कम हो गई है, लेकिन इसका फायदा इससे कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे यहां सिर्फ वाहनों को गति नहीं देगा, बल्कि यह पूरे बुंदेलखंड की औद्योगिक प्रगति को गति देगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था और तेजी से सुधार के साथ बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में ''डबल इंजन'' सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश जिस विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है उसके मूल में दो पहलू हैं- ''इरादा और मर्यादा''। उन्होंने कहा कि हम न केवल वर्तमान के लिए नयी सुविधाएं बना रहे हैं बल्कि देश का भविष्य भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश में रायबरेली रेल कोच फैक्ट्री, सिर्फ डिब्बों का रंग-रोगन करके काम चला रही थी, उस उत्तर प्रदेश में अब बुनियादी ढांचे पर इतनी गंभीरता से काम हो रहा है कि उसने अच्छे-अच्छे राज्यों को भी पछाड़ दिया है। पूरे देश में अब उत्तर प्रदेश की पहचान बदल रही है।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने ही 29 फरवरी, 2020 को

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया था। इस एक्सप्रेसवे का काम 28 महीने के भीतर पूरा कर लिया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे। उद्घाटन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोदी को स्थानीय बुंदेली वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी के उत्तर प्रदेश आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत करते हुए ट्वीट किया, ''महान ऋषि-मुनियों की तपोस्थली, सृजन की धरा, विभिन्न संस्कृतियों की संगमस्थली, उत्तर प्रदेश की क्रांति भूमि पर 'नए भारत' के 'शिल्पकार' आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।''

दिल्ली से चित्रकूट की दूरी हुई 296 किलोमीटर

लंबा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे किन-किन शहरों से गुजरेगा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14,850 करोड़ रुपये की लागत से बने और उत्तर प्रदेश के सात जिलों से गुजरने वाले 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का शनिवार को उद्घाटन किया। इस एक्सप्रेस-वे से बुंदेलखंड के लोग छह घंटे में दिल्ली पहुंच सकेंगे। पीएम मोदी ने उद्घाटन के मौके पर कहा भी कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से चित्रकूट से दिल्ली की दूरी तो 3-4 घंटे कम हुई ही है, लेकिन इसका लाभ इससे भी कहीं ज्यादा है। ये एक्सप्रेसवे यहां सिर्फ वाहनों को गति नहीं देगा, बल्कि ये पूरे बुंदेलखंड की औद्योगिक प्रगति को गति देगा। उद्घाटन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे। सरकार की मंशा थी कि यूपी के विधानसभा चुनाव से पूर्व एक्सप्रेस-वे को चालू कर दिया जाए, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया और चुनाव बाद अब फिर एक्सप्रेस-वे के काम में तेजी लाई गई है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी के उत्तर प्रदेश आने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत करते हुए ट्वीट किया, 'महान ऋषि-मुनियों की तपोस्थली, सृजन की धरा, विभिन्न संस्कृतियों की संगमस्थली, उत्तर प्रदेश की क्रांति भूमि पर नए भारत के शिल्पकार आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।

1. प्रधानमंत्री ने 29 फरवरी, 2020 को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया था। इस एक्सप्रेसवे का काम 28 महीने के भीतर पूरा कर लिया गया है।

2. इस चार लेन वाले एक्सप्रेसवे का निर्माण उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) के तत्वावधान में लगभग 14,850 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और आगे चलकर इसे छह लेन तक भी विस्तारित किया जा सकता है।

3. यह एक्सप्रेस-वे चित्रकूट जिले में भरतकूप के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-35 से लेकर इटावा जिले के कुदरैल गांव तक फैला हुआ है, जहां यह आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के साथ मिल जाता है। यह एक्सप्रेसवे सात जिलों- चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया और इटावा- से होकर गुजरता है।

4. बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से सफर के दौरान बागेन, केन, श्यामा, चंद्रावल, बिरमा, यमुना, बेतवा और सेंगर नदियां पड़ेंगी। इसमें कुल चार रेलवे ओवरब्रिज, 14 बड़े पुल, छह टोल प्लाजा, सात रैंप प्लाजा, 266 छोटे पुल और 18 फ्लाई ओवर हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी पर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित- नाना पटोले

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी सभी सम्मान और मर्यादाओं को तोड़ कर राजनीति कर रही है। झूठे आरोप लगाकर विरोधियों को बदनाम करने की उनकी चाल पुरानी है। अब बीजेपी ने गंदी राजनीति के तहत झूठे आरोप लगाकर पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी को बदनाम करने का भी काम किया है। बीजेपी पर यह हमला महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने किया है। पटोले ने कहा कि चरमपंथियों के साथ भारतीय जनता पार्टी के संबंध सर्वविदित हैं। कई लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार कुख्यात आतंकवादी मसूर अजहर को तत्कालीन भाजपा सरकार खुद कंधार छोड़ कर आई थी। जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तार किए गए दो उग्रवादियों में भाजपा का एक पदाधिकारी भी शामिल है। मध्य प्रदेश में कार्रवाई के दौरान एक पदाधिकारी को गिरफ्तार किया गया, जिसके भाजपा के साथ संबंध की बात सामने आई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की कोशिश है कि गुजरात के विधानसभा चुनाव को हिंदू-मुस्लिम का रंग देकर बीजेपी सरकार की नाकामी को छुपाया जाए। लेकिन देश की जनता सब कुछ जानती है।

सिद्धू ने घुटने के जोड़ों में तेज दर्द, डॉक्टर ने कहा जमीन पर न सोए

चंडीगढ़ । पटियाला सेंट्रल जेल में बंद कांग्रेस नेता नवजोत सिद्धू ने घुटने के जोड़ों में तेज दर्द की शिकायत की है। शिकायत के बाद ऑर्थोपेडिक सर्जन ने जेल में सिद्धू की जांच कर उन्हें जमीन पर न सोने की सलाह दी है। इसके बाद जेल प्रशासन ने सिद्धू के लिए लकड़ी के बिस्तर की व्यवस्था की है।1988 के रोड रेज मामले में सिद्धू एक साल की जेल की सजा काट रहे हैं। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कथित तौर पर जोड़ों के दर्द के कारण नियमित काम करने में असमर्थ हैं। यह पता चला है कि सिद्धू को जमीन पर सोना पड़ता है और अपने 123 किलो वजन को देखते हुए उनके लिए उठना मुश्किल होता है। सिद्धू की टॉयलेट सीट भी उनकी हाइट और वजन के लिए कम है। जांच के बाद डॉक्टर ने सिद्धू को वजन कम करने की सलाह दी थी। उन्हें घुटने मजबूत करने वाले व्यायाम- क्वाड्रिसेप्स और हैमस्ट्रिंग एक्सरसाइज की सलाह दी गई है। साथ ही सिद्धू को फर्श पर नहीं बल्कि बिस्तर पर सोने की सलाह दी गई है। उन्हें चेतावनी दी गई है कि अगर उन्होंने उपचार के उपाय नहीं किए, तब उनके जोड़ों में दर्द और बढ़ जाएगा। डॉक्टरों ने सिद्धू को पेन किलर और जोड़ों के दर्द ठीक करने के लिए दवाएं दी हैं। डॉक्टर की सलाह के बाद जेल प्रशासन ने सिद्धू को लकड़ी की चारपाई दी है।

नोएडा में कार सवार युवकों ने फिल्मी स्टाइल में सरेआम की गोलीबारी

नोएडा । नोएडा के सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-122 में कार सवार दो युवकों ने सरेआम गोलीबारी की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सेक्टर 113 के थाना प्रभारी शरद कांत ने बताया कि शुक्रवार की देर रात को कार में सवार दो युवकों ने सेक्टर-122 के पास सरेआम गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है जो वायरल हो गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि कार चालक नोएडा के गढ़ी चौखंडी गांव का निवासी प्रमोद है। पुलिस कार चालक के अलावा घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

कन्हैया लाल की बर्बर हत्या के तार सऊदी अरब से जुड़े, फोन पर वीपीएन का इस्तेमाल करते

उदयपुर । उदयपुर में हिंदू दर्जी कन्हैया लाल की बर्बर हत्या की जांच में एक के बाद एक कई बड़े खुलासे हो रहे हैं। इसी कड़ी में अब सामने आया है कि रियाज अटारी के अलावा हत्या के अन्य साजिशकर्ता वर्चुअल प्रॉक्सी सर्वर का इस्तेमाल करके पाकिस्तान और सऊदी अरब में कॉल करते थे। हत्यारे फोन पर पाकिस्तानी नागरिक से बात करते थे, यह शख्स उस साऊदी अरब में मिला था। कन्हैया की गला काटकर हत्या करने वाला अटारी 2019 में अपनी जमीन बेचने के बाद साऊदी गया था, जहां उसकी इस शख्स से मुलाकात हुई थी। सुरक्षा एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि रियाज की मदद करने वाले कुछ साजिशकर्ताओं ने अपने इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) अड्रेस को छिपाने के लिए अपने मोबाइल फोन पर वीपीएन का इस्तेमाल किया था। उन्होंने वीपीएन का इस्तेमाल कर कन्हैयालाल की हत्या से कुछ दिन पहले सऊदी अरब और पाकिस्तान में कॉल भी किए थे। 20 जून को नूपुर शर्मा के खिलाफ एक रैली के बाद स्थानीय अंजुमन की बैठक में कन्हैया लाल की हत्या करने का फैसला लिया गया था। हालांकि हत्यारे 26 जून को कन्हैया लाल की दुकान पर उनका सिर काटने गए थे, उसदिन कन्हैया दुकान नहीं गए थे। आरोपियों के पास से जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज की फोरेंसिक रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन अब साफ हो चुका है, कि अटारी 2019 में सऊदी अरब में सिंध के एक पाकिस्तानी नागरिक उमर से मिला था। वहीं गौस 2013 और 2019 में सऊदी अरब गया था। इसके अलावा दोनों 2014 में दावत-ए-इस्लामी के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पाकिस्तान के कराची गए थे। दोनों हत्यारे दावत-ए-इस्लामी के फॉलोअर था। दावत-ए-इस्लामी भारतीय उपमहाद्वीप में बरेलवी आंदोलन के संस्थापक अहमद रज़ा खान के रास्ते पर चलते हुए एक मूवमेंट चलाता है। रज़ा खान का जन्म 19वीं सदी में बरेली में हुआ था। अटारी 2019 में कट्टरवादी संगठन पीएफआई समूह की राजनीतिक शाखा एसडीपीआई में भी शामिल हुए थे। दिलचस्प बात है कि पीएफआई-एसडीएफआई लिंक रियाज अटारी, अमरावती फार्मासिस्ट उमेश कोल्हे के हत्यारों और अजमेर सूफी दरगाह के खादिम सरवर चिश्ती के बीच कॉमन है।

लैपटॉप-कंप्यूटर में वायरस डालकर की 170करोड़ रुपये की ठगी

नोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा में विशेष जांच दल ने एक फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग विदेशियों के लैपटॉप-कंप्यूटर में वायरस डालने के बाद उसे ठीक कराने के नाम पर 170 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर चुके थे। एसटीएफ के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को नोएडा के सेक्टर-59 स्थित बी-36 में कथित कॉल सेंटर पर छापा मारा और गिरोह के सरगना सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने अमेरिका से लेकर दुबई तक के सैकड़ों लोगों से ठगी की बात स्वीकार की है। यूपी एसटीएफ के प्रभारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सेक्टर-44 निवासी करन मोहन, बेगमगंज गोंडा निवासी विनोद सिंह, सेक्टर-92 निवासी ध्रुव नारंग, सेक्टर-49 निवासी मयंक गोगिया, सेक्टर-15ए निवासी अक्षय मलिक, गढ़ी चौखंडी निवासी दीपक सिंह, गौड़ सिटी निवासी आहूजा पॉडवाल, दिल्ली निवासी अक्षय शर्मा, जयंत सिंह व मुकुल रावत के रूप में हुई है। एसटीएफ अधिकारी ने कहा कि आरोपियों ने बताया कि उनके पास हवाला के माध्यम से भारतीय मुद्रा में नकद आता था। किराए के खाते में डॉलर में पैसे जाते थे। फिर किराए पर खाता मुहैया कराने वाले कमीशन काटकर भारत में रुपये हस्तांतरित कर देते थे।

पोस्टर लगाकर भाजपा ने ममता पर बोला हमला, आदिवासी विरोधी हैं ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में सियासी जंग तेज हुई है। इस बीच भाजपा ने यहां पर एक पोस्टर लगाया है। पोस्टर में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आदिवासी विरोधी बताया गया है। पोस्टर में एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरें लगी हैं। गौरतलब है कि टीएमसी राष्ट्रपति चुनाव में यशवंत सिन्हा का समर्थन कर रही है। पोस्टर पर लिखा है कि भाजपा ने एक आदिवासी जनजाति महिला को देश के सर्वोच्च पद के लिए मनोनीत किया। साथ ही भाजपा ने देश के सभी आदिवासी जनजाति संप्रदाय को सम्मानित किया है। यह आदिवासी जनजाति संप्रदाय का गर्व का विषय है। पोस्टर में आगे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ऊपर निशाना साधा गया है। पोस्टर में कहा गया है कि ममता आदिवासी जनजाति संप्रदाय के उम्मीदवार का समर्थन न करके किसी अन्य का समर्थन कर रही हैं। वह आदिवासी समाज के करीब आने से हिचकिचा रही हैं। यह भिन्नता थी और रहेगी।

इस पोस्टर के पीछे है, राष्ट्रपति चुनाव में ममता को यशवंत सिन्हा सपोर्ट देना। बताया जाता है कि विपक्ष के लिए उम्मीदवार चुनने में ममता ने ही सबसे अहम भूमिका निभाई है। हालांकि बीते दिनों जब सत्ता पक्ष ने द्रौपदी मुर्मू को समर्थन दिया, तब ममता ने बयान जारी किया। इसमें ममता ने कहा कि अगर उन्हें पता होता कि एनडीए एक आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाने वाली है, तब वह भी समर्थन के लिए सोचतीं। असल में पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में आदिवासी वोटर हैं, जिन्हें ममता खोना नहीं चाहतीं। इसलिए उन्होंने यह बयान दिया था। लेकिन अब भाजपा ने उनके इसी स्टैंड को उनके खिलाफ हथियार बना लिया है।

श्रीलंका ने फिर की भारत की तारीफ दुनिया का इकलौता देश जो कर रहा मदद

नई दिल्ली । आर्थिक संकट झेल रहे श्रीलंका में हालात सुधरने में काफी वक्त लग जाएगा। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और पीएम रानिल विक्रमसिंघे अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। देश सर्वदलीय सरकार की तरफ आगे बढ़ रहा है। इस बीच एक बार फिर श्रीलंका ने भारत सरकार की तारीफ की है। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने कहा कि भारत ही इकलौता देश है, जिसने हमे क्रेडिट लाइन दी है। हम उम्मीद करते हैं कि दुनिया के अन्य संपन्न देश भी श्रीलंका की मदद को आगे आएंगे। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने दुनिया के विभिन्न देशों से ईंधन की आपूर्ति के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि जो कोई भी देश हमारी मदद के लिए आगे आता है, हम उसकी सराहना करते हैं। अभी सिर्फ भारत की एकमात्र देश है, जिसने हमे एक क्रेडिट लाइन दी है। कंचना विजेसेकेरा ने कहा कि हम रूसी सरकार के साथ भी चर्चा कर रहे हैं। शुरुआती बैठकें रूस में हुई हैं। हमने अपनी जरूरतें उन्हें बता दी हैं और हम उस पर काम कर रहे हैं। हम यह सुनने का इंतजार कर रहे हैं कि श्रीलंका को रूस की तरफ से किस तरह की सुविधा दी जाएगी। गौरतलब है कि श्रीलंका इस वक्त साल 1948 के बाद से भयंकर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में सरकार गिर चुकी है और नई सरकार के गठन की तैयारी है। 21 जुलाई को नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव होना है। उधर, श्रीलंका में रोजमर्रा जैसी जरूरतों के दाम आसमान छू रहे हैं। ईंधन की कमी से वाहनों के पहिए थमे हुए हैं। लोगों को कई दिनों तक लाइन लगाने के बाद पेट्रोल नसीब हो रहा है। इस हाहाकार के बीच सड़क पर उग्र प्रदर्शन भी चल रहा है। कई इलाकों में हिंसक घटनाओं के बीच प्रदर्शनकारियों ने सरकारी न्यूज चैनल समेत राष्ट्रपति और पीएम आवास पर कब्जा कर लिया है। श्रीलंका में हालात काबू में करने के लिए सेना ने चप्पे-चप्पे पर मोर्चा संभाला हुआ है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश को लेकर मौसम विभाग का अलर्ट

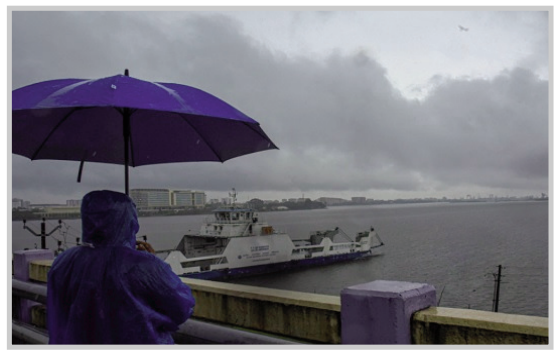

नई दिल्ली ।

देश के कई इलाकों में झमाझम बारिश जारी है। कई राज्यों में भारी बारिश से बाढ़ के हालात हैं। असम, गुजरात और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्व मध्य, पश्चिम मध्य, उत्तर और दक्षिण पश्चिम अरब सागर के आस पास गहरा कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे हाल फिलहाल में गुजरात समेत कुछ अन्य समुद्र तटीय राज्यों को भारी बारिश से निजात नहीं मिलने वाली है। विभाग ने कई हिस्सों में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की ओर से जारी अलर्ट में अगले 3 दिनों तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज चमक के साथ छिटपुट एवं मध्यम बारिश की संभावना है। 19 जुलाई तक पंजाब, हरियाणा, 17 जुलाई को राजस्थान और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी की गई है। मौसम विभाग का कहना है कि 18 जुलाई को पूर्वी यूपी के कुछ इलाकों में भारी बारिश संभव है। मौसम विभाग का कहना है कि अरब सागर पर बने कम दबाव के चलते तेज हवा के साथ भारी बारिश संभव है। समुद्र में हवा की गति 45 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे से 65 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। इससे ओडिशा, पश्चिम बंगाल के तटवर्ती क्षेत्रों, पूर्वोत्तर अरब सागर, महाराष्ट्र और कर्नाटक के तटवर्ती इलाकों मौसम खराब रहेगा। अरब सागर के ऊपर बने कम दबाव के चलते गुजरात के समुद्र तटीय क्षेत्रों में भी 20 जुलाई तक मौसम खराब रहेगा। विभाग की ओर से मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह जारी की गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — निषेध से आकर्षण बढ़ता है। जिस चीज का इंकार किया जाए,उसमे एक तरह का रस पैदाहोना शुरू हो जाता है। - ओशो

संपादकीय

असंसदीय शब्दः फिजूल की बहस

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

संसद के भाषणों में कौन-से शब्दों का इस्तेमाल सांसद लोग कर सकते हैं और कौन-से का नहीं, यह बहस ही अपने आप में फिजूल है। आपत्तिजनक शब्द कौन-कौन से हो सकते हैं, उनकी सूची 1954 से अब तक कई बार लोकसभा सचिवालय प्रकाशित करता रहा है। इस बार जो सूची छपी है, उसे लेकर कांग्रेस के नेता आरोप लगा रहे हैं कि इस सूची में ऐसे शब्दों की भरमार है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए विपक्षी सांसदों द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं। जैसे जुमलाजीवी, अहंकारी, तानाशाही आदि। दूसरे शब्दों में संसद तो पूरे भारत की है लेकिन अब उसे भाजपा और मोदी की निजी संस्था का रूप दिया जा रहा है। विरोधी नेताओं का यह आरोप मोटे तौर पर सही-सा लगता है लेकिन वह अतिरंजित है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने साफ़-साफ़ कहा है कि संसद में बोले जानेवाले किसी भी शब्द पर प्रतिबंध नहीं है। सभी शब्द बोले जा सकते हैं लेकिन अध्यक्ष जिन शब्दों और वाक्यों को आपत्तिजनक समझेंगे, उन्हें वे कार्रवाई से हटवा देंगे। यदि ऐसा है तो इन शब्दों की सूची जारी करने की कोई तुक नहीं है, क्योंकि हर शब्द का अर्थ उसके आगे-पीछे के संदर्भ के साथ ही स्पष्ट होता है। इस मामले में अध्यक्ष का फैसला ही अंतिम होता है। कोई शब्द अपमानजनक या आपत्तिजनक है या नहीं, इसका फैसला न तो कोई कमेटी करती है और न ही यह मतदान से तय होता है। कई शब्दों के एक नहीं, अनेक अर्थ होते हैं। 17 वीं सदी के महाकवि भूषण की कविताओं में ऐसे अनेकार्थक शब्दों का प्रयोग देखने लायक है। भाषण देते समय वक्ता की मन्शा क्या है, इस पर निर्भर करता है कि उस शब्द का अर्थ क्या लगाया जाना चाहिए। इसी बात को अध्यक्ष ओम बिड़ला ने दोहराया है। ऐसी स्थिति में रोज़ाना प्रयोग होनेवाले सैकड़ों शब्दों को आपत्तिजनक की श्रेणी में डाल देना कहां तक उचित है? जैसे जुमलाजीवी, बालबुद्धि, शकुनि, जयचंद, चांडाल चौकड़ी, पिट्ठू, उचक्का, गुल खिलाए, दलाल, सांड, अंट-संट, तलवे चाटना आदि! यदि संसदीय सचिवालय द्वारा प्रचारित इन तथाकथित 'आपत्तिजनक' शब्दों का प्रयोग न किया जाए तो संसद में कोई भी भाषण पूरा नहीं हो सकता। इसीलिए इतने सारे शब्दों की सूची जारी करना निरर्थक है। हां, सारे सांसदों से यह कहा जा सकता है कि वे अपने भाषणों में मर्यादा और शिष्टता बनाए रखें। किसी के विरुद्ध गाली-गलौज, अपमानजनक और अश्लील शब्दों का प्रयोग न करें। जिन शब्दों को 'असंसदीय' घोषित किया गया है, उनका प्रयोग हमारे दैनंदिन कथनोपकथन, अखबारों और टीवी चैनलों तथा साहित्यिक लेखों में बराबर होता रहता है। यदि ऐसा होता है तो क्या यह संसदीय मर्यादा का उल्लंघन नहीं माना जाएगा? इस तरह की सूची प्रकाशित करके क्या संसद अपनी प्रतिष्ठा को हास्यास्पद नहीं बना रही है? भारत को ब्रिटेन या अमेरिका की नकल करने की जरुरत नहीं है। ये राष्ट्र आपत्तिजनक शब्दों की कोई सूची जारी करते हैं तो क्या हम भी उनकी नकल करें, यह जरुरी है? इस मामले में हमारे सत्तारुढ़ और विपक्षी नेता एक फिजूल की बहस में तू-तू-मैं-मैं कर रहे हैं।

आज के कार्टून

बेकारी

श्रीराम शर्मा आचार्य/ कहावत है-'खाली दिमाग शैतान की दुकान।' यह कहावत उन सबके लिए है, जो परिश्रम से जी चुराते हैं। परिश्रम के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा सा रहता है। अब तो विज्ञान भी मानने लगा है कि परिश्रम से जी चुराने से ही नाना प्रकार की बीमारियां पनपती हैं। परिश्रम चाहे वह व्यायाम का ही क्यों न हो, किन्तु करना अवश्य चाहिए। जो बेकार रहेगा, उसे शैतानी सूझेगी। कुछ दिन पहले इस देश में राजा-रईस, अमीर-उमराव, जमींदार-साहूकार, महंत-मठाधीश बहुत थे। उनके पास आमदनी बहुत थी और नौकर-चाकरों के बलबूते पर उनका व्यापार चलता रहता था। काम का कोई उत्तरदायित्व सिर पर न होने से उनके पास समय बहुत बचता था। इस बचे हुए समय का उपयोग आमतौर से खुराफातों में होता था। बहुत कम लोग इन वगरे में ऐसे थे, जो अपने समय को किसी मूल्यवान कार्य में लगाते थे। अब यह वर्ग घट रहे हैं। परिस्थितियों ने उन्हें श्रम करने और सुधरने के लिए विवश किया है। वह विवशता उपयोगी भी है और आवश्यक भी। बेकारी की समस्या इसीलिए खतरनाक नहीं मानी जाती कि उन दिनों आदमी कमाता नहीं, वरन मुख्यतया इसलिए उसे भयंकर मानते हैं कि बेकार आदमी को उत्पात ही सूझेंगे। बुरे विचार उसके मस्तिष्क में उठेंगे और वह बुरे कामों की ओर अग्रसर होगा। बुराई का आज चारों ओर बाहुल्य है। उसी का प्रसार एवं आकषर्ण भी प्रबल है। बेकार आदमी सहज ही उस ओर आकषिर्त होते हैं। कार्यव्यस्त व्यक्ति फुरसत न मिलने के कारण बुराइयों से बचा रहता है। पर बेकर आदमी के लिए तो सर्वनाश का द्वार खुला पड़ा है। बेकारी का कारण सदा काम का अभाव नहीं है। बहुधा आलस्य भी होता है। नौकरी के लिए दर-दर ठोकरें खाते फिरने वालों में से अधिकांश वे होते हैं, जो ऊंची आमदनी की, आरामतलब की, बिना मेहनत की नौकरी चाहते हैं, श्रम में जिनका जी दुखता है, मेहनत-मजदूरी से जिन्हें अपनी शान और इज्जत घटती मालूम होती है। उनके लिए बाबूगीरी की नौकरियां मिलना मुश्किल हो सकती हैं, पर परिश्रम करने वाले के लिए काम की कहीं कमी नहीं है। ज्यादा पैसे का नहीं, बड़ा न सही, परन्तु हर आदमी को हर जगह काम मिल सकता है और बहुत न सही, पर थोड़ा-सा तो वह कमा ही सकता है। थोड़ी भी कमाई न हो तो समय की बेकारी तो किसी काम में लगे रहने से बच ही जाती है। खुराफात में मन दौड़ाने का अवसर नहीं मिलता, यह भी क्या कुछ कम लाभ है?

संविधान में आस्था के निहितार्थ

(लेखक- राकेश कुमार वर्मा)

संविधान के प्रतिकूल अभिव्यक्ति पर हाल ही में केरल के साजी चेरियन को मंत्री पद त्यागना पड़ा । उल्लेखनीय है कि सूबे के मल्लापल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने भारत के संविधान को ब्रिटिश शासन द्वारा संकलित जनशोषक दस्तावेज बताया। कोरोना महामारी पर उत्पादन ठप्प होने के बावजूद अम्बानी अडानी जैसी बड़ी कंपनियों का बढ़ता मुनाफा और गरीबतर होती जनता के मूलभूत संकट पर सरकार की नीतियों से असहज होकर ही शायद चेरियन ने कहा कि ''भारतीय संविधान श्रमिकों के शोषण को सबसे अधिक क्षमा करता है।'' लेकिन इससे पूर्व केंद्र के एक मंत्री अनंत कुमार हेगड़े ने जब ब्राहमण युवा परिषद के एक सम्मेलन में संविधान के बुनियादी मूल्य धर्मनिरपेक्षता का मजाक उड़ाते हुए 'संविधान बदलने के इरादे से सत्ता में आने का मंतव्य बताया तब सत्ताधारी पार्टी ने मौन साध लिया । शिवपुरी से जिलाधीश स्- तर की हैसियत रखने वाले एक अधिकारी ने लोकतंत्र पर्व पर मतदान को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया । शायद आजादी के बाद विकास के नाम पर जनता की गाढ़ी कमाई को मनमाने ढ़ंग से खर्च करने के बाद भी असहाय परिजन द्वारा मृतक को ठेले पर ले जाने जैसी विवशता के साथ ही समय-समय पर खुलती भ्रष्टाचार की कलई से यह आक्रोश फूटा हो। यह कटु वास्तविकता है कि संविधान की धारा 21 जो जीवन एवं व्यक्तिगत आजादी की सुरक्षा के अधिकार की बात करती है उस पर अविश्वास की परतें चढ़ती जा रही हैं। वीर सावरकर भी भारतीय संविधान के कटु आलोचक रहे। उन्होंने लिखा- 'भारत के नए संविधान के बारे में सबसे ज्यादा बुरी बात यह है कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है।' संविधान सभा में नेहरू जी द्वारा 13 दिसंबर 1946 को प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए जयपाल सिंह ने कहा - 'मुझे अपने जंगली होने पर गर्व है- यही वह संबोधन है जो हमें देश के उस हिस्से(आदिवासी अंचल) के लिए दिया जाता है । यह प्रस्ताव आदिवासियों को प्रजातंत्र नहीं सिखा सकता अपितु, आपको उनसे प्रजातांत्रिक तौर तरीके सीखने होंगे। संविधान से अपनी गहरी असहमति व्यक्त करते हुए माधवराव सदाशिव गोलवलकर 'गुरूजी' ने लिखा- हमारा संविधान पूरे विश्व के विभिन्न संविधानों के विभिन्न आर्टिकल्स की एक बोझिल और बेमेल जमावट है। इसमें ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे अपना कहा जा सके। क्या इसके मार्गदर्शक सिद्धांतों में इस बात का कहीं भी उल्लेख है कि हमारा राष्ट्रीय मिशन क्या है और हमारे जीवन का मूल राग क्या है? उल्लेखनीय है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संविधान समीक्षा के नाम पर आयोग का गठन किया था। यह दीगर बात है कि पूर्ण बहुमत के अभाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार जस्टिस वेंकटचलैया आयोग वाली संविधान समीक्षा के प्रस्तावों को सदन में रखने का साहस नहीं जुटा सकी। दरअसल संविधान पर अनास्था का यह अध्याय इसके निर्माण के साथ ही शुरू हो गया था जब इसके निर्माता डॉ. भीमरॉव अंबेडकर ने इसके दहन की इच्छा व्यक्त की। 2 सितंबर 1953 को राज्यसभा में चर्चा के दौरान उन्होंने कहा था - 'मैं यह कहने के लिए पूरी तरह तैयार हूं कि संविधान को जलाने वाला मैं पहला व्यक्ति होऊंगा।' दो वर्ष पश्चात पंजाब से राज्यसभा सदस्य डॉ. अनूप सिंह ने 19 मार्च 1955 को जब सदन में चर्चा के दौरान डॉ अंबेडकर को उनके कथन का स्मरण दिलाया तो डाक्टर साहब ने स्पष्ट करते हुए कहा कि हमने भगवान के रहने के लिए संविधानरूपी मंदिर बनाया है, परंतु, उससे पहले राक्षस आकर उसमें रहने लगे हैं। ऐसे में मंदिर तोड़ देने के अलावा कोई विकल्प नही। इस पर अन्य सदस्य वीकेपी सिन्हा ने सुझाव दिया कि आप उन्हें निकाल क्यों नहीं देते?' इस पर शतपथ वर्णित देवासुर संग्राम का उदाहरण देते हुए बाबासाहेब ने अपनी असमर्थता व्यक्त की। हालांकि शोषितों की सुरक्षा को लेकर चिन्तित डॉ अंबेडकर ने 8 अगस्त, 1930 को सत्ता से मुक्त होने का अपना राजनीतिक लक्ष य दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा, 'मौजूदा राजनीति शोषितों की समस्याएं हल नहीं कर सकतीं अतएव समाज मे उचित स्थान बनाने के लिए हमें स्वयं शिक्षित होने के साथ ही परिवर्तित जीवनशैली का मार्ग अपनाना होगा। अछूत समाज मे बढ़ती लोकप्रियता एवं जनसमर्थन के चलते उन्हें 1931 मे लंदन में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुलाया गया। परिणामतः रूढ़िवादी हिंदुओं और कांग्रेस में उनकी छबि खलनायक सी बन गई। वर्ष 1948 में भारत में अंतरिम सरकार का गठन होने के बाद संविधान निर्माण परिषद बनाई गई। संविधान बनाने के लिए एशियाई देशों के संविधान विशेषज्ञ आयुस जेनिस के आमंत्रण प्रस्ताव पर महात्मा गांधी ने जवाहरलाल नेहरू और सरोजनी नायडू गांधी को डॉ. अंबेडकर का नाम सुझाया। इस तरह 29 अगस्त 1947 को डॉ. अंबेडकर संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष बनाए गए। लेकिन संविधान बनाने की स्वतंत्रता की बजाय उन पर नेहरू और सरदार पटेल का दबाव बना रहा। मौलिक अधिकारों की कमेटी के अध्यक्ष खुद जवाहरलाल नेहरू थे, जिसमे अंबेडकर को सदस्य तक नहीं बनाया गया। वास्तविकता से परिचित महात्मा गांधी ने इस संबंध में कहा था, 'मेरी कहां चलती है कौन बात मानता है।' इसलिए डॉ. अंबेडकर को संविधान जलाने की बात कहनी पड़ी। अंततः 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान अपना लिया। संविधान सभा में डिबेट समाप्त करते हुए डॉ. अंबेडकर ने कहा, '26 जनवरी, 1950 को हम अंतर्विरोधों के जीवन में प्रवेश करेंगे। राजनीति में समानता होगी, परंतु सामाजिक और आर्थिक जीवन में असमानता बरकरार रहेगी। अगर लंबे समय तक ऐसा किया गया तो लोकतंत्र ख़तरे में पड़ जाएगा इसलिए, हमें यथाशीघ्र यह अंतर्विरोध ख़त्म करना होगा, वरना असमानता से पीड़ित लोग उस राजनैतिक लोकतंत्र की संरचना को ध्वस्त कर देंगे, जिसे मुश्किलों से तैयार किया गया है।' संविधान दिवस पर गत वर्ष प्रधानमंत्री ने कहा कि - हमारा संविधान सहस्त्रों वर्ष की महान परंपरा, अखंड धारा की आधुनिक अभिव्यक्ति है जो संविधान की प्रेरणाओं और मूल तत्वों के स्वदेशी उद्गम की ओर संकेत करता है। हाल ही में विभिन्न न्यायाधीशों द्वारा न्याय प्रणाली के भारतीयकरण की मांग उठाई गई है। उच्चतम न्यायालय न केवल नागरिकों के मूल अधिकारों की रक्षा करता है अपितु यह संविधान का संरक्षक भी है। संविधान के उपबंध की व्याख्या के विषय में अंतिम निर्णय देने का अधिकार भारत के उच्चतम न्यायालय को ही प्राप्त है। अगर न्याय प्रणाली के भारतीयकरण की शुरुआत करनी है तब सबसे पहले राजद्रोह कानून(1870),धारा 124 ए जैसे औपनिवेशिक मानसिकता से संबंधित कानूनों को खत्म करना चाहिए, क्योंकि सरकार इसका दुरूपयोग असहमत स्वरों के दमन के लिए कर रही है। देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में धन-बल, भुजबल और राजकीय निगरानी संस्थाओं के बल से चुनी हुई सरकारें आज की बड़ी चुनौती बन गई हैं। विधानसभा चुनाव की आहट पाते ही सत ता के रक त का स् वाद चख चुके अवसरवादी सत्तासीन दल असंतुष्टों की मदद से चुनाव के नियमों-उपनियमों में सेंध, मीडिया का दुरूपयोग जैसे षड़यंत्रकारी कूटनीति से समर्थ सरकार को गिराने में सफल रहे है ।

सही फैसला लेने में हुई वक्त की चूक

पंकज चतुर्वेदी

श्रीलंका में जन विद्रोह की तस्वीरें मीडिया में तैर रही हैं और भूखे, महंगाई से त्रस्त, बेरोजगारों की फौज ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया। समझना जरूरी है कि आज जो वहां की हालात हैं, उसकी शुरुआत अक्तूबर, 2021 में हो गई थी। प्रारंभ में अन्न की कमी का कारण उस देश में पूरी तरह जैविक खेती को लागू करना था। जाहिर है रासायनिक खाद और कीटनाशक कारोबारियों की लॉबी को यह फैसला पसंद नहीं आना था। वहीं यह भी सच है कि शासक की नीयत इस फैसले के पीछे कुछ सांप्रदायिक और बगैर दूरगामी परिणाम सोचे इसे जबरन लागू करवाने की थी। अलग-अलग कारणों से समाज के विभिन्न वर्ग नाराज थे। फिर जब एक ही समय खाने की नौबत आ गई तो राष्ट्रवाद एक तरफ रख पेट की आग क्रांति बन कर महलों को गिराने खड़ी हो गई। हमारे पड़ोसी देश श्रीलंका में खाने-पीने की वस्तुओं का संकट कोई डेढ़ साल पहले खड़ा हो गया था। नवंबर 2021 में वहां हालात इतने खराब थे कि वहां खाद्य आपातकाल लगाना पड़ा और आलू, चावल जैसी जरूरी चीजों के वितरण का जिम्मा फौज के हाथों में दे दिया गया। दरअसल कोविड के कारण श्रीलंका में पर्यटन कारोबार को तगड़ा नुकसान हुआ था। इसके बावजूद दो करोड़ 13 लाख की आबादी वाले छोटे से देश ने अप्रैल, 2021 में एक क्रांतिकारी कदम उठाया। श्रीलंकाई सरकार ने देश की पूरी खेती को रासायनिक खाद और कीटनाशक से मुक्त कर शत प्रतिशत जैविक खेती करना तय किया। श्रीलंका ने कीटनाशकों, उर्वरकों और कृषि रसायनों के आयात और उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया। दशकों से रसायन की आदी हो गई जमीन भी इतने त्वरित बदलाव के लिए तैयार नहीं थी। फिर कीटनाशकों व खाद की अंतर्राष्ट्रीय लॉबी को भी कुछ खुराफात तो करनी ही थी। बहरहाल श्रीलंका के ये हालात दुनिया के कृषि प्रधान देशों के लिए चेतावनी भी है और सीख भी कि तत्काल एक साथ ऐसे बदलाव करने पर विपरीत तात्कालिक परिणामों के लिए भी तैयार होना पड़ेगा। श्रीलंका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में खेती-किसानी की भागीदारी 8.36ब्र है वहीं कुल रोजगार में खेती का हिस्सा 23.73 फीसदी है। इस देश में चाय उत्पादन के जरिये बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आती है। यहां हर साल 278.49 मीट्रिक किलोग्राम चाय पैदा होती है। खेती में रसायनों का इस्तेमाल रुकने का असर चाय बागान के अलावा काली मिर्च जैसे मसालों के बागानों पर भी पड़ा है। इस देश में चावल के साथ-साथ ढेर सारी फल-सब्जी उगाई जाती है। श्रीलंका सरकार का सोचना है कि भले ही रसायन वाली खेती में कुछ अधिक फसल आती है लेकिन उसके कारण पर्यावरण क्षरण, जल प्रदूषण हुआ है। जलवायु परिवर्तन की मार से देश को बचाने का एकमात्र तरीका है, खाद्य को रसायन से पूरी तरह मुक्त करना। हालांकि विशेषज्ञों का अनुमान है कि फसलें देश के सामान्य उत्पादन का लगभग आधी रह जाएंगी। दूसरी तरफ चाय उत्पादक चिंतित हैं कि कम फसल होने पर खेती में खर्चा बढ़ेगा। जैविक हो जाने पर उनकी फसल का 50 प्रतिशत कम उत्पादन होगा। श्रीलंका का यह निर्णय पर्यावरण, खाने की चीजों की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए तो बहुत अच्छा था लेकिन देश ने किसानों को जैविक खेती के लिए व्यापक प्रशिक्षण नहीं दिया। फिर सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में जैविक खाद भी उपलब्ध नहीं थी। एक अनुमान के अनुसार, देश में हर दिन लगभग 3,500 टन नगरपालिका जैविक कचरा उत्पन्न होता है। इससे सालाना लगभग 2-3 मिलियन टन कम्पोस्ट उत्पादित किया जा सकता है। हालांकि, सिर्फ जैविक धान की खेती के लिए 5 टन प्रति हेक्टेयर की दर से सालाना लगभग 4 मिलियन टन खाद की आवश्यकता होती है। चाय बागानों के लिए जैविक खाद की मांग 30 लाख टन और हो सकती है। जाहिर है कि जैविक खेती के लिए श्रीलंका को जैविक उर्वरकों और जैव रसायनों के बड़े स्तर पर घरेलू उत्पादन की आवश्यकता है। सरकार की नीयत अच्छी थी लेकिन इससे किसानों के सामने कम उपज के डरावने हालात पैदा हो गये। इस बीच अंतर्राष्ट्रीय खाद-कीटनाशक लॉबी भी सक्रिय हो गई है और दुनिया को बता रही है कि श्रीलंका जैसा प्रयोग करने पर कितने संकट आयेंगे। श्रीलंका की नई नीति से पहले खाद्य आपातकाल जैसे हालात निर्मित हुए। उसके बाद रासायनिक उर्वरकों के उपयोग संबंधी फैसले को पलट दिया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो गई थी। विकराल खाद्य संकट दस्तक देने की तैयारी कर चुका था। परिणाम यह कि आज श्रीलंका वित्तीय एवं खाद्य संकट से इतना त्रस्त हो गया है कि उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। श्रीलंका में भी भारत की तरह खेती के पारंपरिक ज्ञान का भंडार है, अपने बीज हैं और पानी भी। लेकिन श्रीलंका सरकार को जैविक खाद वाले निर्णय की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। लेकिन यह भी सच है कि एक बार फिर जड़ों की तरफ लौटना शुरुआत में तो कष्टप्रद है लेकिन यह जलवायु परिवर्तन से त्रस्त सारी दुनिया को इस बारे में एक साथ सोचना होगा।

सू-दोकू नवताल 2166

		9	2	7		5		
4	2				9			7
1				4				9
		7		2	3		8	
6								2
	1		9	6		3		
9				8				6
7			3				2	1
		6		1	5	7		

सू-दोकू -2165 का हल

6	3	7	2	4	5	9	8	1
5	1	8	3	7	9	6	4	2
4	9	2	6	1	8	7	3	5
1	7	9	8	5	2	3	6	4
3	8	5	7	6	4	2	1	9
2	6	4	9	3	1	8	5	7
9	2	1	5	8	6	4	7	3
7	5	6	4	2	3	1	9	8
8	4	3	1	9	7	5	2	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2166

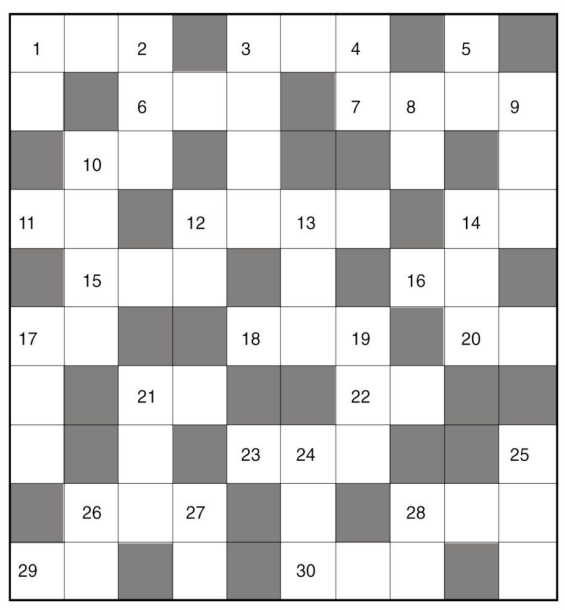

बायें से दायें:-

1. मनोज बाजपेई, करिश्मा कपूर की फिल्म-3
3. 'चूड़ी बोले पायल बोले' गीतवाली फिल्म-3
6. सुनील दत्त, नूतन अभिनीत फिल्म-3
7. राजेश खन्ना, मिथुन, शबाना, दीप्ति नवल की 'ये हवाएं सर्द सर्द हैं' गीत वाली फिल्म-4
10. फिल्म 'नरसिम्हा' में डिम्पल कपाड़िया के साथ नायक-2
11. 'चोरी चोरी मेरे दिल को' गीत वाली फिल्म-2
12. फिल्म 'अनमोल घड़ी' के प्रसिद्ध गीत 'आवाज दे कहां है, दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन-4
14. फिल्म 'नीला आकाश' में धर्मेंद्र की नायिका-2
15. फिल्म 'प्रेम ग्रंथ' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी?-3
16. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली सन् 1953 की एक फिल्म-2
17. किस प्रसिद्ध गायक का वास्तविक नाम शान्तनु मुखर्जी है-2
18. निर्माता निर्देशक अभिनेता मनोज कुमार की राष्ट्रभक्ति वाली फिल्मों में उनके पात्र का नाम-3
20. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
21. 'हम ने घर छोड़ा है' गीत वाली फिल्म-2
22. फिल्म 'बनारसी बाबू' की नायिका-2
23. अक्षयकुमार, माधुरी की फिल्म-3
26. 'साला मैं तो साब बन गया' गीत वाली फिल्म-3
28. सलमान, करिश्मा की फिल्म-3
29. गोविंदा, नीलम की फिल्म-2
30. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा पारेख की फिल्म-3

ऊपर से नीचेः-

1. अक्षय कुमार, मिलिंद गुणाजी, ट्विंकल खन्ना अभिनीत फिल्म-2
2. 'गवाह हैं चांद तारे' गीत वाली ऋषि कपूर, सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-3
3. 'मौला मेरे मौला' गीत वाली फिल्म-4
4. आमिर खान, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
5. राज कपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाईयां' गीत वाली फिल्म-2
8. 'जब भी ये दिल उदास होता है' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी ग्रेवाल की फिल्म-2
9. फिल्म 'शोला और शबनम' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी?-3
10. फिल्म 'पार्टनर' में 'लव-गुरु' की भूमिका किसने की है?-4
12. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फिल्म-2
13. संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
14. 'तुझ से नाराज नहीं जिंदगी' गीत वाली फिल्म-3
17. जॉय मुखर्जी, सायरा बानो की फिल्म-3
19. अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-3
21. सनी देओल, बॉबी देओल, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत फिल्म-3
24. फिल्म 'बारूद' में अक्षय कुमार के साथ नायिका कौन थी?-3
25. 'काश तुम मुझसे एक बार' गीत वाली फिल्म-3
26. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-2
27. अभिषेक बच्चन, अंतरा माली की फिल्म-2
28. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म (2)

फिल्म वर्ग पहेली- 2165

जीं		आं	धी		स	र	फ	रे	श
स	ला	खें		ग	नी		ना		बा
	ल		ग	ज		दे		हि	ना
अ	प	ने		श्री	दे	वी		म्म	
	त्थ		जी		व		नू	त	न
ब	र	सा	त		आ		री		गिं
हू		या		आ	नं	द		द	स
बे	टा		सू		द		म	र्द	
ग		म	र्या	दा		दा	वा		डो
म	हा	न		दा	ग		ली	ड	र

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोना 50 हजार, चांदी भी फिसलकर 55 हजार के नीचे रही

नई दिल्ली । बीते सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी गई। एक वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते सोना 521 रुपए सस्ता होकर 50,403 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इस हफ्ते की शुरुआत 11 जुलाई को ये 50,924 रुपए पर था। इस हफ्ते चांदी की कीमत में डेढ़ हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 56,745 रुपए पर थी जो अब 54,767 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,978 रुपए कम हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल मानसून बेहतर रहा तो सोने की खरीद आने वाले समय में तेजी आ सकती है। वै श्विक बाजार में भी सोने की खपत बढ़ने की उम्मीद है, जिसका सीधा असर उसकी कीमतों पर पड़ेगा और घरेलू बाजार में भी सोना महंगा हो जाएगा। चांदी की इंडस्ट्रियल मांग लगातार बढ़ रही है, जो आने वाले समय में इसकी कीमतों में एक बार फिर इजाफा कराएगी।

यूरोप कार बाजार पर संकट, 26 सालों में सबसे निचले स्तर पर पहुंची बिक्री

नई दिल्ली । यूरोप में कारों की बिक्री काफी कम हो गई है। पिछले महीने जून 2022 में यूरोप में कारों की बिक्री बीते 26 साल में सबसे कम रही। जून में यूरोप में सिर्फ 1.06 मिलियन कारें ही बिकीं। कुछ कार निर्माता ब्रैंड्स की ब्रिकी में तो 50 फीसदी तक गिरावट देखी गई। ये डेटा यूरोप ऑटोमोबाइल एसोसिएशन से मिले हैं। कारों की ब्रिकी में आई गिरावट का सबसे ज्यादा असर फॉक्सवैगन ग्रुप पर पड़ा। पिछले जून के मुकाबले इस जून में कंपनी की ब्रिकी एक चौथाई तक कम रही। वॉल्वो की भी ब्रिकी में जबरदस्त गिरावट देखी गई। कंपनी की ब्रिकी में 47.9 फीसदी का तगड़ा डाउनफॉल देखने को मिला। यह डाउनफाल जून महीने का है। वहीं ओवरआल पहली छमाही में वॉल्वो की ब्रिकी 28.5 फीसदी तक कम हुई। जैगुआर लैंड ग्रुप ग्रुप की जून में ब्रिकी सिर्फ 13.2 फीसदी कम हुई पर छमाही में जैगुआर की सेल भी जबरदस्त गिरी। पहले छमाही में 34.7 का बड़ा डाउनफॉल जैगुआर की सेल में आया है। इंफ्लेशन, बाधित सप्लाई चेन, कोरोना के बढ़ते मामले भी इसका बड़ा कारण हैं। इसके अलावा ऑनगोइंग चिप शॉर्टेज भी कंपनियों की बिक्री कम होने का एक बड़ा कारण है। इन्हीं सब कारणों के चलते लगातार 12 महीनो से यूरोप में कारों की बिक्री में गिरावट दर्ज की जा रही है।

विमान ईंधन की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली । विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में शनिवार को 2.2 प्रतिशत की कटौती की गई, जो अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में गिरावट को दर्शाती है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार एटीएफ के दाम में 3,084.94 रुपए प्रति किलोलीटर की कटौती करके इसे 1,38,147.93 रुपए प्रति किलोलीटर कर दिया गया है। एटीएफ की कीमत इस साल केवल दूसरी बार कम की गई है। पिछले महीने इसकी कीमत 1,41,232.87 रुपए प्रति किलोलीटर (141.23 रुपए प्रति लीटर) के चरम पर पहुंच गई थी। एटीएफ के दाम पिछले पखवाड़े अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के आधार पर हर महीने की पहली और 16वीं तारीख को संशोधित किए जाते हैं। इससे पहले एक जुलाई को कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

क्रूड ऑयल की कीमत कई दिनों से 100 डॉलर

मुंबई (एजेंसी)।

कच्चे तेल के भाव में पिछले कई दिनों से लगातार 100 डॉलर के आसपास बने हुए हैं। ब्रेंट क्रूड शनिवार सुबह भी 101 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का मानना है कि आने वाले समय में ईंधन की खपत घटेगी जिससे क्रूड और सस्ता होगा। कच्चे तेल में जारी गिरावट के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमत भी जारी कर दी, जिसमें शनिवार को भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपए लीटर मिल रहा है। कंपनियों ने 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जबकि क्रूड के भाव एक समय 140 डॉलर प्रति बैरल तक चले गए थे। अब क्रूड जब 100 डॉलर के करीब है तो उम्मीद है कि आने वाले दिनों पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर रह सकती है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपए और डीजल 95.84 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर। कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है और पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

इंडियन बैंक को नाबार्ड से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार मिला

चेन्नई (एजेंसी)।

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंक का पुरस्कार मिला है। बैंक को यह पुरस्कार स्वयं सहायता समूह से जुड़े कार्यक्रम की श्रेणी में मिला है। इंडियन बैंक के अनुसार तमिलनाडु के वित्त और मानव संसाधन मंत्री पलानीवेल त्यागराजन ने हाल में नाबार्ड के 41वें स्थापना दिवस के दौरान बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी एसएल जैन को यह पुरस्कार दिया। इस अवसर पर इंडियन बैंक के महाप्रबंधक (ग्रामीण बैंकिंग) वी चंद्रशेखरन भी उपस्थित थे।

दिल्ली-एनसीआर में साल 2026 तक इतिहास बन जाएंगे डीजल ऑटो रिक्शा

- नई एयर पॉल्यूशन पॉलिसी के मुताबिक डीजल आटो को राजधानी और आसपास से किया जा सकता है बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

साल 2026 तक डीजल से चलने वाले ऑटो रिक्शा दिल्ली-एनसीआर (नेशनल कैपिटल रीजन) में इतिहास बन जाएंगे। कमिशन ऑफ एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) की नई एयर पॉल्यूशन पॉलिसी के मुताबिक इन वाहनों को राजधानी और आसपास के क्षेत्र से धीरे-धीरे फेज आउट करने पर विचार किया जा रहा है। जिससे वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सके। इस पॉलिसी के तहत दिल्ली में अगले 5 साल में वायु प्रदूषण को कम करने का लक्ष्य है। इसके लिए कमिशन सेक्टर्स के आधार पर एक्शन लेगा। नई वायु प्रदूषण नीति के तहत डीजल से चलने वाले ऑटो रिक्शा गुरुग्राम, फरीदाबाद, गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद में 31 दिसंबर 2024 तक हटाने की योजना बनाई जा रही है। बाकी जिलों में डीजल से चलने वाले ऑटो रिक्शा 31 दिसंबर 2026 तक हट सकते हैं। कमिशन ऑफ एयर क्वालिटी मैनेजमेंट के मुताबिक 1 जनवरी 2023 से केवल कंप्रेस्ड नैचुरल गैस और इलेक्ट्रिक ऑटो की ही रजिस्ट्रेशन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में होगा। दिल्ली और एनसीआर स्टेट्स को कमिशन की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि सीएनजी और लिक्विफाइड नैचुरल गैस) से चलने वाले वाहनों के लिए एनसीआर और हाइवेज पर फिलिंग नेटवर्क तैयार करें जिससे लंबी दूरी के वाहन ईंधन भरा सकें। इसके अलावा बीएस4 वाहनों पर भी पाबंदी लगाने की तैयारी की जा रही है। इनमें एसेंशियल सर्विस में इस्तेमाल होने वाले वाहनों को छूट मिलेगी। हालांकि कई रेजीडेंशियल वेलफेयर असोसिएशन इस फैसले को गैरजरूरी बताते हुए इसका विरोध कर रहे हैं। दिल्ली एनसीआर क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का स्तर 450 तक पहुंच गया है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट रही

▸▸ सेंसेक्स 344 अंक चढ़कर 53,760 पर बंद ▸▸ निफ्टी 110 अंक बढ़त के साथ 16,049 पर बंद

मुंबई (एजेंसी)।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट देखने को मिली। बाजार के जानकारों ने कहा कि कमजोर घरेलू और विदेशी संकेतों से बाजार में गिरावट आई। कमजोर होते रुपए, बढती महंगाई, मजबूत होते डॉलर और एफआईआई की बिकवाली बाजार पर दबाव बनाए हुए है। हालों कि मानसून की प्रगति और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से शेयर बाजार को कुछ सहारा मिला है। चार दिन की गिरावट के बाद सप्ताह के ओ खिर में शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 330.14 अंक गिरकर 54,151.70 पर खुला और 86.61 अंक की गिरावट के साथ 54,395.23 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 102.75 अंक फिसलकर 16,117.85 पर खुला और 4.60 अंक की मामूली गिरावट के साथ 16,216 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 340.76 अंक गिरकर 54,054.47 पर खुला और 508.62 अंक लुढ़ककर 53,886.61 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 72.65 अंक गिरकर 16,143.35 पर खुला और 157.70 अंक की गिरावट के साथ 16,058.30 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 324.61 अंक बढ़कर 54,211.22 पर खुला और 372.46 अंक गिरकर 53,514.15 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 750 अंक तक लुढ़क कर 53,514.15 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 239 अंक अंक बढ़कर 53,753.45 पर खुला और 98 अंक गिरकर 53,416.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 74.7 अंक चढ़कर 16,041.35 पर खुला और 28 अंक गिरकर 15,938.65 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 339.81 अंक बढ़कर 53,755.96 पर खुला 344.63 अंक चढ़कर 53,760.78 पर बंद हुआ। निफ्टी 72.35 अंक चढ़कर 16,011 पर खुला और 110.55 अंक की बढ़त के साथ 16,049.20 पर बंद हुआ।

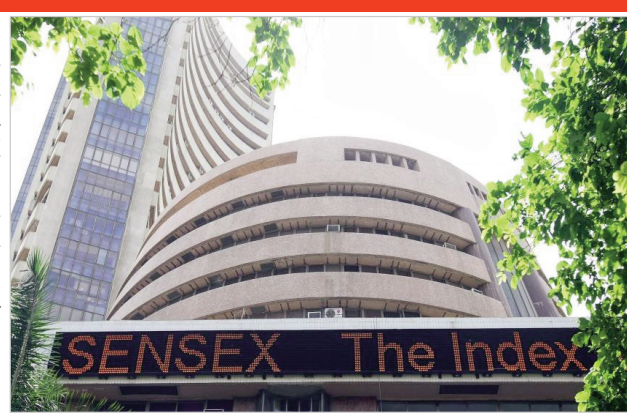

दिग्गज कार निर्माता कंपनियों ने भारत में उतारी इलेक्ट्रिक कारें

-ये है दुनिया की 5 सबसे तेज चार्ज होने वाली इलेक्ट्रिक कारें

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कई दिग्गज कार निर्माता कंपनियां अपनी पॉप्युलर कारों के इलेक्ट्रिक वर्जन भारत में उतार चुकी हैं। आमतौर पर इलेक्ट्रिक कारों को चार्ज होने में काफी वक्त लगता है और यही इलेक्ट्रिक कार खरीदने वाले ग्राहकों के लिए सबसे बड़ी असुविधा है। हालांकि, जैसे जैसे तकनीक का विकास हो रहा है वैसे वैसे ही इलेक्ट्रिक कारों में चार्जिंग टाइम भी कम हो रहा है। यहां हम आपको उन इलेक्ट्रिक कारों के बारे में बताएंगे जो सुपरफास्ट चार्जिंग के साथ आती है। ये 5 कारें दुनिया की सबसे फास्ट चार्ज होने वाली इलेक्ट्रिक कारें हैं। पोर्श टायकून प्लस जर्मन स्पोर्ट्स कार ब्रैंड की पहली इलेक्ट्रिक कार है। यह कार बेहतरीन फीचर्स से लैस है और इलेक्ट्रिक कार बाजार में दुनिया भर में अपना लोहा मनवा चुकी है। यह कार दुनिया की सबसे फास्ट चार्ज होने वाली कार है। डीसी चार्जिंग के साथ यह कार एक घंटे की चार्जिंग में 1 हजार किमी से ज्यादा दूरी तय कर सकती है। किआ ईवी6 लांग रेंज 2डब्ल्यूडी इलेक्ट्रिक कार दुनिया की दूसरी सबसे तेज चार्ज होने वाली कार है। यह कार एक घंटे की एसी चार्जिंग में 51 किमी और डीसी चार्जिंग में 1,046 किमी तय कर सकती है। मर्सेडीज ईओएस 580 4 मेटीक लग्जरी इलेक्ट्रिक कार सबसे तेज चार्जिंग के मामले में दुनिया की तीसरे नंबर की कार है। इस कार को एक घंटे एसी पर चार्ज करके 53 किमी और डीसी चार्जिंग के साथ 788 किमी तक रन किया जा सकता है। हयूदै आयोनिक लॉन्ग रेंज 2 डब्ल्यूडी इलेक्ट्रिक कार भी सुपरफास्ट चार्जिंग के साथ आती है। इसे एक घंटे एसी चार्जिंग के साथ चार्ज करने पर 59 किमी चलाया जा सकता है। वहीं अगर आप इसे डीसी चार्जिंग के साथ चार्ज करते हैं तो 933 किमी की लंबी दूरी तय कर सकते हैं। टेस्ला मॉडल वाय लॉन्ग रेंज ड्यूल मोटर दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार है। इस कार को अगर एसी चार्जिंग से एक घंटे चार्ज किया जाए तो इसे 54 किमी चलाया जा सकता है। वहीं डीसी चार्जिंग से चार्ज करने पर 595 किमी की रेंज मिलती है।

सरकार ने बफर स्टॉक बनाने किसानों से 2.5 लाख टन प्याज खरीदी

- वित्त वर्ष 2021-22 में प्याज का उत्पादन में आएगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

अगस्त से दिसबंर के बीच प्याज की बढ़ती कीमत के इस दौरान प्याज अपनी बढ़ती कीमतों से आम लोगों के साथ-साथ सरकार को भी आंसू रुलाने लगती है। इसी लिए इसकी कीमत अप्रत्याशित तरीके से न बढ़े इसके लिए सरकार ने प्याज को लेकर प्लान तैयार किया है। पहले से ही प्याज की खरीदारी और स्टॉक बढ़ाना चालू है। सरकार ने वर्ष 2022-23 में बफर स्टॉक बनाने के लिए किसानों से 2.5 लाख टन प्याज की खरीद की है और प्याज की खुदरा कीमतें बढ़ने पर वह बाजार में दखल देगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में प्याज का उत्पादन तीन करोड़ 17 लाख टन होने का अनुमान है जबकि एक साल पहले यह दो करोड़ 66.4 लाख टन था।खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्रालय ने कहा कि पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए केंद्र ने वर्ष 2022-23 में बफर स्टॉक के लिए 2.50 लाख टन प्याज की खरीद की है। चालू वर्ष में प्याज के बफर स्टॉक का आकार 2021-22 के दौरान बनाए गए 2 लाख टन से 50 हजार टन अधिक है। वर्तमान रबी फसल प्याज की खरीद भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) द्वारा महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्याज उत्पादक राज्यों में किसानों के किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से की गई है।

मंत्रालय ने कहा कि स्टॉक को लक्षित खुले बाजार में बिक्री के माध्यम से जारी किया जाएगा और राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों और सरकारी एजेंसियों को खुदरा दुकानों के माध्यम से कम आपूर्ति वाले दिनों (अगस्त-दिसंबर) के दौरान कीमतों को कम करने के लिए दी जाएगी। खुले बाजार में बिक्री उन राज्यों एवं शहरों की ओर लक्षित की जाएगी जहां कीमतें पिछले महीने की तुलना में बढ़ रही हैं। हर साल ऐसा होता है कि अगस्त से दिसंबर के बीच प्याज के भाव आसमान छूने लगते हैं। यह शादियों का भी सीजन होता है लिहाजा मांग लगातार बनी रहती है और सप्लाई कम हो जाती है। इसलिए कीमत भी बढ़ जाती है।

बहुप्रतीक्षित कार ह्यूंदै टकसन का भारत में डेब्यू

-आगामी 4 अगस्त को होगा कीमत का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत में बहुप्रतीक्षित कार ह्यूंदै टकसन का डेब्यू हो चुका है। यह कार आगामी 4 अगस्त को लॉन्च होने वाली है। इस कार का भारतीय बाजार में लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। लॉन्च के कुछ महीनों बाद इसकी डिलिवरी भी शुरू हो जाएगी। नई जनरेशन की ह्यूंदै टकसन को मौजूदा मॉडल की तुलना में कई अपडेट के साथ उतारा जाएगा और इसके अलावा, यह कंपनी की इंडियन प्रॉडक्ट लाइन-अप में प्रमुख एसयूवी होगी। डिजाइन की बात करें तो अपकमिंग टक्सन कंपनी की सेंसियस स्पोर्टीनेस डिजाइन लैंग्वेज से लैस होगी। इसमें छिपा हुआ ऑल-एलईडी हेडलैम्प्स के साथ एक नया पैरामीट्रिक ग्रिल मिलेगा, जबकि फॉग लैंप्स नीचे की ओर होंगे।लॉन्च होते ही इस एसयूवी को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। नई एसयूवी का डिजाइन और इसके फीचर्स लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। खास बात यह है कि इसकी शुरुआती कीमत 7.53 लाख रुपये है, वहीं इसके टॉप मॉडल की कीमत 9.99 लाख रुपये है।

ग्लोबल लेवल पर चौथी जनरेशन की ह्यूंदै टकसन को दो पेट्रोल, एक हाइब्रिड और एक ऑयल-बर्नर इंजन के साथ पेश किया जाता है लेकिन संभव है कि भारत-स्पेक मॉडल में 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन, 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया और 8-स्पीड टॉर्क-कन्वर्टर एटी के साथ 2.0-लीटर डीजल इंजन दिया जाए। कंपनी ने ने हाल ही में अपनी पॉपुलर और किफायती मिड साइज कॉम्पैक्ट एसयूवी हयूदै वेन्यू का अपडेट वर्जन भी लॉन्च किया था।

नेचुरल रिसोर्स की नहीं हो पाएगी चोरी, सरकार कर रही नई लेखांकन प्रणाली का विकास

- खनिज पदार्थों के मामले में झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल राज्य सबसे अमीर, यहीं से अधिक आते हैं खनिजों की चोरी के मामले

नई दिल्ली । अपने यहां खनिज पदार्थों के मामले में कुछ राज्य बेहद अमीर हैं। इन राज्यों में झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल आदि आते हैं। लेकिन इन राज्यों में इन प्राकृतिक संसाधनों की चोरी भी खूब होती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि राज्य सरकारों को अपने नेचुरल रिसोर्सेज की सही-सही जानकारी ही नहीं है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सीएजी के (जीएएसएबी) खनिज एवं ऊर्जा समेत विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों का लेखा-जोखा तैयार कर रहा है। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार न केवल नीतिगत निर्णय ले सकेगी बल्कि इससे ग्रीन जीडीपी के लक्ष्य को हासिल करने में भी मदद मिलेगी। इस समय झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में खनिज पदार्थों की चोरी की अक्सर खबर आती है। राज्य सरकार कहती है कि उन्होंने खदान का पट्टा किसी सरकारी या निजी कंपनी को दिया हुआ है। संबंधित कंपनी कहती है कि उनकी खदानों से चोरी नहीं हो रही है। इसकी वजह यह है कि राज्यों को नेचुरल रिसोर्स की सही सही जानकारी ही नहीं है। अब जो नई लेखांकन प्रणाली का विकास हो रहा है, उससे राज्यों को नेचुरल रिसोर्स की सही जानकारी मिलेगी। साथ ही इससे नेचुरल रिसोर्स के जिम्मेदार उपयोग में मदद मिलेगी। इससे सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। जीएएसएबी के चेयरमैन एवं देश के उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के. श्रीनिवासन ने इस नई पहल के बारे में एनबीटी डिजिटल को बताया कि सब चार प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों खनिज और ऊर्जा संसाधन, जल संसाधन, भूमि संसाधन और वानिकी एवं वन्य जीव संसाधनों का अकाउंट तैयार कर रहा है। इस पहल का मकसद रिसोर्सेज की उपलब्धता, उनसे मिलने वाले राजस्व की संभावना, संबद्ध लागत और अगली पीढ़ी को ध्यान में रखते हुए सतत विकास को आगे बढ़ाना है। इस पहल से राज्यों में मौजूद रिसोर्सेज के बारे में समूचा ब्योरा एक जगह उपलब्ध होगा। इससे राज्यों को मिलने वाले रॉयल्टी दरों के आकलन के साथ राज्यों के राजस्व हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

फिटमेंट फैक्टर में इजाफा होने से सरकारी कर्मियों के वेतन में होगी 96 हजार की बढ़ोतरी

- सरकार की 3 अगस्त को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस पर हो सकता है फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन में जल्द ही बढ़ोतरी हो सकती है। सरकार जल्द ही फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने पर अपनी मंजूरी दे सकती है। सरकार की 3 अगस्त को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस पर फैसला हो सकता है। एक रिपोर्टस के मुताबिक अगर सरकार इस पर मुहर लगाती है तो 1 सितंबर, 2022 से कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। कर्मचारियों का न्यूनतम बेसिक वेतन 18 हजार रुपए से बढ़कर 26 हजार रुपए हो जाएगा। इस तरह महीने में 8 हजार रुपए और सालाना 96 हजार रुपए बेसिक वेतन में बढ़ जाएगा। वर्तमान में कर्मचारियों को 2.57 फीसदी के आधार पर फिटमेंट फैक्टर के तहत वेतन मिल रहा है। अगर इसे बढ़ाकर 3.68 फीसदी किया जाता है तो कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन में महीने में 8 हजार रुपए बढ़ जाएगा। बता दें कि केंद्रीय कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के लिए फिटमेंट फैक्टर का ही इस्तेमाल होता है। अगर मोदी सरकार फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाती है तो कर्मचारियों का न्यूनतम मूल वेतन बढ़ जाएगा। उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य कर्मचारियों की लंबे समय से मांग है कि उनके फिटमेंट फैक्टर को 2.57 फीसदी से बढ़ाकर 3.68 फीसदी कर दिया जाए। अगर न्यूनतम वेतन 18,000 रुपए से बढ़कर 26,000 रुपए हो जाता है तो कर्मचारियों का वेतन भी बढ़ जाएगा। अगर आपका न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए है तो भत्तों को छोड़कर 2.57 फिटमेंट फैक्टर के मुताबिक 46,260 (18000*2.57) मिलेंगे। अगर फिटमेंट फैक्टर 3.68 हो जाती है तो आपका वेतन 95,680 रुपए (26000*3.68) होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मशहूर फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को सऊदी अरब के क्लब से मिला बंपर ऑफर

(एजेंसी): मशहूर फुटबॉलर और मैनचेस्टर यूनाइटेड के मुख्य खिलाड़ियों में शामिल क्रिस्टियानो रोनाल्डो को सऊदी अरब के एक क्लब द्वारा 200 मिलियन पाउंड से अधिक का ऑफर मिला है। 37 वर्षीय रोनाल्डो का मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ अगली गर्मियों तक अनुबंध है, लेकिन उन्होंने क्लब को सूचित किया कि वह नए सत्र से पहले क्लब छोड़ना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक रोनाल्डो को एक बेनामी सऊदी अरब क्लब से दो वर्षों के लिए 233.23 मिलियन पाउंड का आकर्षक ऑफर मिला है। सऊदी अरब का यह क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड को 25 मिलियन पाउंड का स्थानांतरण शुल्क का भुगतान करने को भी तैयार है। हालांकि रोनाल्डो इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के इच्छुक नहीं हैं, क्योंकि अगले सत्र में चैंपियंस लीग में खेलने की उनकी महत्वाकांक्षा बनी हुई है। चेल्सी ने इन गर्मियों में रोनाल्डो को साइन करने का कोई प्रयास नहीं करने का फैसला किया है, हालांकि एटलेटिको मैड्रिड सहित अन्य क्लब अभी भी रुचि बनाए हुए हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बार-बार जोर देकर कहा है कि रोनाल्डो बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है, लेकिन खिलाड़ी व्यक्तिगत कारणों के कारण क्लब के थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया के प्री-सीजन दौरे पर नहीं गया था।

जापान की कावाकामी को पराजित कर पीवी सिंधु ने सिंगापुर ओपन के खिताबी मुकाबले में जगह बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय बेडमिंटन सितारा महिला खिलाड़ी पीवी सिंधु ने सिंगापुर ओपन 2022 में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मैच में उन्होंने शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल मैच में उन्होंने जापान की खिलाड़ी सेइना कावाकामी को 21-15 और 21-7 की स्कोरलाइन से सीधे गेमों में हराकर फाइनल में जगह बना ली। कावाकामी के खिलाफ सिंधु के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पहले गेम में जहां उन्होंने अपने विरोधी के खिलाफ 4 लगातार प्वाइंट झटके वहीं दूसरे गेम में 8 लगातार प्वाइंट झटक कर प्वाइंट के अंतर को इतना बढ़ा लिया कि कावाकामी के पास वापसी करने को कोई मौका नहीं बचा। पहले गेम में कावाकामी ने थोड़ा संघर्ष भी दिखाया था लेकिन दूसरे गेम में सिंधु ने अपने खेल में गजब की आक्रमता दिखाई और एकतरफा तरीके से 21-7 से गेम अपने पक्ष में किया। सिंगापुर ओपन का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। फाइनल में सिंधु का सामना दूसरे सेमीफाइनलिस्ट के विजेता से होगा। दूसरा सेमीफाइनल मैच जापान की आया ओहोरी और चीन की वांग झी यी के बीच खेला जाएगा। इससे पहले क्वार्टर फाइनल मैच में सायना नेहवाल, एचएस प्रणय और मेंस डबल्स में अर्जुन और ध्रुव कपिला को हार का सामना करना पड़ा था। सायना को आया ओहोरी से जबकि एचएस प्रणय को कोदई नराओका से हार का सामना करना पड़ा था। मेंस डबल्स की बात करें तो अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी को भी क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा था। इंडोनेशिया की जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को 10-21, 21-18 और 21-17 से हराया था।

एथलेटिक्स लीड विश्व चैम्पियनशिप : लंबी कूद के फाइनल में श्रीशंकर

यूजीन (अमरीका)(एजेंसी)।

भारत के मुरली श्रीशंकर (भारत में शनिवार सुबह) को विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के पुरुष लंबी कूद फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए। विश्व रैंकिंग में 13वें नंबर के खिलाफ श्रीशंकर ने 8.00 मीटर के सातवें सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ फाइनल में जगह बनाई। श्रीशंकर के साथ उनके हमवतन जेस्विन एल्ड्रिन (7.79 मीटर) और मोहम्मद अनीस यहया (7.73 मीटर) भी थे लेकिन वह पदक राउंड में जगह नहीं बना पाए। श्रीशंकर शनिवार (भारत में रविवार सुबह) होने वाले फाइनल में अकेले भारतीय होंगे। नियमों के अनुसार, 8.15 मीटर की कूद लगाने वाले एथलीट्स या दोनों समूहों के शीर्ष-12 फाइनल में जगह बनाने के योग्य थे। जापान के युकी हाशियोका (8.18 मीटर) और अमेरिका के मार्किवस डेंडी (8.16 मीटर) सहित केवल दो एथलीट ही मानक को पूरा करने में सक्षम थे। इसी बीच, भारत के अविनाश साबले ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के पहले दिन शनिवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। साबले ने 8.18.75 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। तीन हीट में से प्रत्येक के शीर्ष तीन और अगले छह सबसे तेज खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई, जो सोमवार (भारत में मंगलवार सुबह) को आयोजित किया जाएगा। दोहा में फाइनल में पहुंचे 27 वर्षीय साबले वर्तमान में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। उन्होंने पिछले महीने रबात डायमंड लीग के फाइनल में 8.12.48 के साथ अपने ही पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड (8.16.21) को तीन सेकंड से मात दी थी। साबले ने 8वीं बार पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तो था। उन्होंने पहली बार 2018 में गोपाल सैनी द्वारा निर्धारित 8.30.88 के 37 वर्षीय रिकॉर्ड को अंतर राज्य चैंपियनशिप में 8.29.80 के समय के साथ तोड़ा था।

अदिति अशोक और पाजारी की जोड़ी संयुक्त 18वें स्थान पर

मिडलैंड (एजेंसी):

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक और थाईलैंड की पाजारी अनानारूकर्ण की जोड़ी ने यहां एलपीजीए टूर की टीम स्पर्धा डॉउ ग्रेट लेक्स बे आमंत्रण टूर्नामेंट के तीसरे दौर में एक अंडर का कार्ड खेलने के बाद चार स्थान के सुधार के साथ संयुक्त 18वें पायदान पर पहुंच गई। पिछले साल इस टूर्नामेंट में संयुक्त तीसरे स्थान पर रही इस जोड़ी ने 17वें और 18वें होल दो बर्डी लगाए। 54 होल (तीन दौर) के खेल के बाद उनका कुल स्कोर 7 अंडर है। अमरीका की जेनिफर कुपचो और लिजेट सलास की जोड़ी कुल 17-अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। इस जोड़ी के पास 4 शॉट की बढ़त है।

कपिल ने कोहली पर तंज कसते हुए कहा, उन्हें टीम चयनकर्ता आराम देना चाहते हैं, तब इसमें बुराई क्या

कोहली को अपने फार्म को वापस लेने का प्रयास कराना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव, जिनके विराट कोहली को टी20 टीम से बाहर करने के बयान पर बवाल मचा था। उन्होंने वेस्टइंडीज दौरे के लिए टी20 टीम के ऐलान के बाद फिर ऐसी बात कही है, जिसपर फिर हंगामा मच सकता है। दरअसल, बीसीसीआई ने एक दिन पहले वेस्टइंडीज दौरे के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान किया था। इसमें विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह का नाम नहीं था। बीसीसीआई ने इन दोनों खिलाड़ियों के इस दौरे से बाहर होने की कोई वजह भी नहीं जाहिर की हैं। लेकिन, कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि दोनों सीनियर खिलाड़ियों को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। हालांकि, कपिल देव की इस मसले पर अलग राय है।

कपिल देव ने कहा, मैं यह नहीं कह सकता कि विराट कोहली जैसे बड़े खिलाड़ी को बाहर कर दिया जाना चाहिए। वह बहुत बड़े खिलाड़ी हैं. अगर आपने कहा है कि उन्हें सम्मान देने के लिए आराम दिया गया है, तब इसमें कोई बुराई नहीं है। कोहली ग्रोइन इंजरी के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में नहीं खेले थे। लेकिन, लॉर्ड्स में हुए दूसरे वनडे में उन्होंने टीम में वापसी की। इसके बाद एक बात तो मोटे तौर पर साफ हो गई है कि वेस्टइंडीज दौरे पर उनका न जाने का सीधे चोट से कोई कनेक्शन नहीं है, क्योंकि वहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा वनडे खेल चुके है। उन्होंने 50 ओवर फील्डिंग की और फिर बल्लेबाजी के लिए भी उतरे। लेकिन 16 रन बनाकर आउट हो गए. इस लेकर कपिल ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसतरह के खिलाड़ी को फॉर्म में कैसे वापस लाया जाए? वह एक साधारण क्रिकेटर नहीं है। उन्हें अपनी खोई फॉर्म हासिल करने के लिए ज्यादा से ज्यादा अभ्यास के साथ मैच खेलने चाहिए। मुझे नहीं लगता कि इस दुनिया में कोई भी खिलाड़ी है, जो टी20 में कोहली से बड़ा है। लेकिन, जब आपका प्रदर्शन अच्छा नहीं होता है, तब सेलेक्टर्स अपना फैसला ले सकते हैं। मेरा अपना सोचना है कि अगर कोई खिलाड़ी लगातार अच्छा नहीं कर रहा है, तब फिर खिलाड़ी को आराम दिया जा सकता या टीम से ड्रॉप किया जा सकता है। कपिल ने कहा कि कोहली को रन बनाने का तरीका खोजने की जरूरत है, क्योंकि उनके जैसे महान खिलाड़ियों को फॉर्म में वापस आने में इतना समय नहीं लगना चाहिए। कपिल के मुताबिक, ऐसा नहीं है कि भारत पिछले पांच से छह वर्षों में विराट के बिना नहीं खेला है, लेकिन मैं चाहता हूं कि ऐसा खिलाड़ी वापस फॉर्म में आए।

संक्षिप्त समाचार

44वें चेस ओलंपियाड के विज्ञापन से विश्वनाथन आनंद गायब

-प्रतिष्ठित नेपियर ब्रिज को शतरंज बोर्ड की तरह सजाया

चेन्नई । चेन्नई में होने वाले 44वें चेस ओलंपियाड के लिए तमिलनाडु सरकार ने एक वीडियो विज्ञापन जारी किया है जिसमें मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के साथ संगीतकार ए आर रहमान भी दिखाई दे रहे है। वीडियो में चेस आधारित थीम पर कुछ डांसर्स भी हैं। लेकिन पूरे वीडियो में शतरंज के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद कहीं नहीं दिखाई रहे है। इस वीडियो विज्ञापन होने के बाद अब भाजपा इस पर सबाल उठा रही है। गौरतलब है की चेन्नई के महाबलिपुरम में 28 जुलाई से 10 अगस्त तक 44वें चेस ओलंपियाड का आयोजन होने जा रहा है। जिसके लिए तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने एक विज्ञापन जारी किया है। इस विज्ञापन में खुद मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के अलावा जाने माने संगीतकार ए आर रहमान भी दिख रहे हैं। लेकिन पूरे वीडियो में शतरंज के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद पूरी तरह से नदारत हैं। जिसके बाद तमिलनाडु भाजपा के चीफ के अन्नामलाई सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि चेस ओलंपियाड के विज्ञापन को स्टालिन सरकार द्वारा जारी किया है जिसमें विश्व चेस चैंपियन विश्वनाथन आनंद ही नहीं हैं और उनकी उपेक्षा की गई हैं। इस विज्ञापन वीडियो को तमिलनाडु के राजनैतिक, सिनेमा जगत की हस्तियों सहित सभी सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार इस आयोजन के लिए बहुत उत्साहित हैं। चेन्नई शहर के प्रतिष्ठित नेपियर ब्रिज को शतरंज बोर्ड की तरह दिखने के लिए सफेद और काले रंग से रंगा गया है। तमिलनाडु सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुप्रिया साहू ने अपने ट्विटर पर पुल के फोटो एवं वीडियो जारी करते हुए लिखा की, भारत की शतरंज राजधानी चेन्नई भव्य शतरंज ओलंपियाड 2022 की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुरली विजय ने टी20 मैच में किया धमाल, 19 गेंदों में ठोंक दिया सैकड़ा

नई दिल्ली । क्रिकेटर मुरली विजय टी-20 मैच में जो कारनामा किया उसको देख प्रशंसक अंचभित हैं। दरअसल, खराब फॉर्म के चलते मुरली विजय आईपीएल के पिछले 2 सीजन में एक भी मुकाबाला नहीं खेल सके। अंतिम 5 सीजन में उन्हें सिर्फ 6 मैच में खेलने का मौका मिला। हालांकि वे एमएस धोनी की अगुआई वाली चैंपियन टीम चेन्नई सुपरकिंग्स का हिस्सा रह चुके हैं। 38 साल के इस ओपनर बल्लेबाज ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग के (टीएनपीएल) एक मुकाबले में शतक लगाया। इस दौरान उन्होंने 12 छक्के और 7 चौके जड़े। यानी सिर्फ 19 गेंदों में ही 100 रन बना दिए। हालांकि मैच में उनकी टीम को हार मिली। तमिलनाडु प्रीमियर लीग के 19वें मुकाबले में नेल्लई रॉयल किंग्स को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। हालांकि टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 29 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद बाबा अपराजित और संजय यादव ने आक्रामक बल्लेबाजी करके स्कोर को 230 रन क पार पहुंचाया। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट पर 236 रन बनाए। अपराजित 48 गेंद पर 92 रन बनाकर नाबाद रहे। 5 चौका और 8 छक्का जड़ा। वहीं संजय 55 गेंद पर 103 रन बनाकर अंत तक डटे रहे। 6 चौका और 9 छक्का लगाया। जवाब में रबी वॉरियर्स टीम एक ओर से लगातार विकेट गंवाती रही, लेकिन मुरली विजय डटे रहे। उन्होंने 57 गेंद पर शतक पूरा किया।

शिखर धवन भारतीय क्रिकेट में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते, और हर फार्मेट में बेहतर कर सकते : मांजरेकर

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय ओपनर शिखर धवन ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के द्वारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे मैचों की सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी भी करनी है। इस स्टार सलामी बल्लेबाज की तारीफ भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी की है। मांजरेकर का मानना है कि धवन भारतीय क्रिकेट में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं और वनडे फॉर्मेट में वह हमेशा से सर्वश्रेष्ठ साबित हुए हैं। धवन भले ही सीरीज के दूसरे वनडे में कुछ खास नहीं कर सके लेकिन केनिंग्टन ओवल मैदान पर हुए पहले वनडे में उन्होंने रोहित शर्मा के साथ अविजित शतकीय साझेदारी की। भारत ने उस मैच को 10 विकेट से जीता था। धवन ने मुकाबले में 54 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से नाबाद 31 रन बनाए। इसके पहले धवन ने आईपीएल में कुछ शानदार पारियां भी खेलीं। हालांकि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टी20 टीम में जगह नहीं मिली। वह केवल 50 ओवर के फॉर्मेट में ही खेलते नजर आते हैं। अगले साल वनडे वर्ल्ड कप-2023 को देखकर धवन अपने प्रदर्शन की बदौलत टीम में जगह बनाए रखना चाहते हैं। इस बीच मांजरेकर ने कहा, धवन के पास अब केवल एक फॉर्मेट है, जिस पर वह टिके रह सकते हैं। दिलचस्प रूप से अपने करियर के दौरान शुरू से अंत तक, अगर आप 50 ओवर के क्रिकेट में उनके प्रदर्शन को देखते हैं, तब वह हमेशा सर्वश्रेष्ठ रहे हैं। यह एक ऐसा प्रारूप है जो उन्हें सबसे अच्छा लगता है और एक ऐसा फॉर्मेट जहां वह उत्कृष्ट रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि चयनकर्ताओं ने उन पर विश्वास दिखाया और माना कि धवन अब भी 50 ओवर के क्रिकेट में एक ताकत हैं। उन्हें शीर्ष पर देखकर बहुत अच्छा लगा। कप्तान रोहित के साथ पहले वनडे में धवन की साझेदारी पर बात कर मांजरेकर ने कहा, मुझे खुशी है कि धवन को यह पारी रोहित के साथ मिली. उम्मीद है कि वह इस तरह की पारी आगे भी दिखाएंगे क्योंकि रोहित शर्मा उनके साथ होंगे। आप जानते हैं, सभी फॉर्मेट में ओपनिंग के दौरान बाएं और दाएं हाथ का संयोजन ठीक रहता है।

बीडब्ल्यूएफ ने रद्द किया अमरीकी ओपन बैडमिंटन

लंदन । विश्व बैडमिंटन की शीर्ष संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने अमरीकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट रद्द कर दिया है। बीडब्ल्यूएफ ने यह कदम अमरीका में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण आयोजन में आ रही दिक्कतों में देखते हुए लिया है। बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट का आयोजन इस साल चार से नौ अक्टूबर तक होना था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, 'अमरीका बैडमिंटन का मानना है कि कोरोना संक्रमण के कारण आयोजन से जुड़ी परेशानी को देखते हुए उसके लिए इस साल टूर्नामेंट की मेजबानी करना सही नहीं रहेगा।' इस घातक वायरस के कारण तीसरी बार इस टूर्नामेंट को रद्द किया गया है। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर जकार्ता में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 के साथ बहाल हुआ। कर दिया है। बीडब्ल्यूएफ ने यह कदम अमरीका में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण आयोजन में आ रही दिक्कतों में देखते हुए लिया है। बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट का आयोजन इस साल चार से नौ अक्टूबर तक होना था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, 'अमरीका बैडमिंटन का मानना है कि कोरोना संक्रमण के कारण आयोजन से जुड़ी परेशानी को देखते हुए उसके लिए इस साल टूर्नामेंट की मेजबानी करना सही नहीं रहेगा।'इस घातक वायरस के कारण तीसरी बार इस टूर्नामेंट को रद्द किया गया है।

हरमनप्रीत सिंह आशान्वित, कहा- 'बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स' में भारतीय हॉकी टीम सोना जीतकर रचेगी कीर्तिमान

बेंगलुरु (एजेंसी)।

राष्ट्रीय खेल हॉकी को लेकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान हरमनप्रीत सिंह काफी आशान्वित हैं उन्होंने कहा कि टीम आगामी राष्ट्रमंडल खेलों-2022 में ऑस्ट्रेलिया के स्वर्णिम अभियान को रोकने में सफल रहेगी। हॉकी 1998 में राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा बना और ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इसके बाद पुरुषों की प्रतियोगिता में सभी छह स्वर्ण पदक जीते हैं। 26 साल के हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि उनकी टीम बर्मिंघम में पासा पलटने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, 'टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हमने एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भी अच्छा खेला और इसलिए टीम में आत्मविश्वास की कमी नहीं है। हम मैच जीतते रहना चाहेंगे। हम निश्चित रूप से आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण जीतने के लिए अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों के लिए हमारी तैयारी बहुत अच्छी चल रही है। हम अभ्यास सत्र के दौरान अपने खेल के कुछ विशेष पहलुओं पर काम कर रहे हैं। हमारा ध्यान एफआईएच हॉकी प्रो लीग में हुई गलतियों से सीखने पर है।' इस ड्रैग-फ्लिकर ने कहा कि गेंद को गोल पोस्ट के पास ले जाकर उसे सफलतापूर्वक गोल में बदलना और रक्षापंक्ति की खामी भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है लेकिन टीम इन दोनों पहलुओं पर लगातार काम कर रही है। अमृतसर में जन्मे इस खिलाड़ी ने कहा, 'हम लगातार अभ्यास मैच खेल रहे है। मुख्य टीम कैंप में शामिल अन्य खिलाड़ियों की टीम के खिलाफ खेल रही है। इन अभ्यास मैचों से हमें मैदान में आपसी समन्वय सुधारने में मदद मिली है। इससे हमें अपनी रणनीतियों को परखने का मौका भी मिल रहा है।'

टी20 विश्व कप2022 में अपना स्थान जिम्बाब्वे ने किया पक्का

16 टीमें दिखाएंगी अपना खेल कौशल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नीदरलैंड और जिम्बाब्वे ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप स्पर्धा के क्वालीफायर बी के अपने सेमीफाइनल में क्रमशः अमेरिका और पपुआ न्यू गिनी को पराजित कर आईसीसी टी20 विश्व कप में स्थान पक्के किए। नीदरलैंड ने अमेरिका को सेमीफाइनल में सात विकेट से पराजित किया। उसने अमेरिका को 19.4 ओवर में 138 रन पर समेट दिया था। जिम्बाब्वे ने पपुआ न्यू गिनी को 27 रन से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के मेजबान जिम्बाब्वे का पहले बल्लेबाजी करने का फैसला फायदेमंद साबित हुआ। रेगिस चाकाब्वा और कप्तान क्रेग इर्विन की अनुभवी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत कराई। चाकाब्वा ने आक्रामक रवैया अपनाते हुए मैच का पहला चौका पहले ही ओवर में लगा दिया जिसके बाद उन्होंने सेमा कामीवा पर लगातार तीन चौके जड़ दिए। एक ओवर बाद उन्होंने एक छक्का जड़ा जिससे वह और खतरनाक दिख रहे थे। लेकिन उनकी 19 गेंद में 30 रन की आक्रामक पारी का अंत सेसे बाऊ ने किया। विकेट गिरने से भी जिम्बाब्वे की रनों की रफ्तार पर लगाम नहीं लगी। इर्विन और वेस्ले माधेवेरे ने लगातार अंतराल पर बाउंड्री लगायी। 10वें ओवर के अंत में जिम्बाब्वे का स्कोर एक विकेट पर 90 रन था। अगले पांच ओवर में मेजबान ने इर्विन (38) और माधेवेरे (29 गेंद में 42 रन) के विकेट गंवा दिए। मध्यक्रम ने उपयोगी रन जुटाकर टीम को 20 ओवर में पांच विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर बनाने में मदद की। जिम्बाब्वे ने पहली ही गेंद पर पपुआ न्यू गिनी का पहला विकेट झटक लिया। फिर उन्होंने लगातार दो विकेट गंवा दिये जिसे पावरप्ले में उसका स्कोर तीन विकेट पर 45 रन था। रन गति बढ़ती जा रही थी, टोनी उरा ने बल्लेबाजी से आक्रामक होना शुरू किया और सिकंदर राजा के ओवर में लगातार दो छक्के जड़े दिए। उरा के आउट होने से टीम का स्कोर पांच विकेट पर 139 रन था। 20 ओवर में टीम आठ विकेट पर 172 रन ही बना सकी। सुपर 12 में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, भारत, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका की टीम क्वालीफाई कर चुकी हैं। वहीं, राउंड वन में वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, स्कॉटलैंड, नामीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, आयरलैंड, नीदरलैंड की टीमें हैं। टी20 वर्ल्ड कप में मेन राउंड से पहले क्वालीफाइंग के मुकाबले होंगे। इसमें राउंड वन की 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप की टॉप-2 मेन राउंड में पहुंचेंगी। इस तरह से मेन राउंड में कुल 12 टीमों के बीच भिड़ंत देखने को मिलेगी।

चेन्नई शहर के प्रतिष्ठित नेपियर ब्रिज को 44वें चेस ओलंपियाड के लिए शतरंज बोर्ड सफेद और काले रंग से रंगा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिमझिम बारिश का मौसम आ गया है। हालांकि अभी झमाझम बारिश कुछ ही जगह हुई है, लेकिन हल्की ही सही, बारिश तो बारिश है। इसलिए कुछ खास तो होना ही चाहिए, ताकि लगे कि तुम भी झूम कर बरखा रानी का स्वागत कर रहे हो।

बारिश में मस्ती के बहाने

ऐसे बचाना अपने पेट्स को..

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगे नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दें। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

इंद्रधनुष देखो

दरअसल इंद्रधनुष वर्षा की बूंदों पर पड़ने वाली सूर्य की किरणों के डिस्पर्सन यानी फैलाव के कारण बनता है। जब सूर्य की किरणें वर्षा की बूंदों में प्रवेश करती हैं तो वे रिफ्लेक्ट यानी तिरछी हो जाती हैं और फिर बूंदों से निकलते समय लाइट प्रतिबिंब बनाती है। कहने का मतलब यह है कि सूर्य की किरणें कई कोणों पर रिफ्लेक्ट करती हैं, जिनकी वजह से रेन-बो बनते हैं। ये बरसात के मौसम के अलावा झरनों तथा समुद्र में बनने वाली बड़ी लहरों के पास भी दिखाई पड़ता है। सच तो यही है कि खुले स्थानों में जहां-जहां नमी बनती है, वहां-वहां रेन-बो दिखाई पड़ने की संभावना रहती है। इस मौसम में इसे तुम देख सकते हो।

गीत तो गुनगुनाओ कोई

संगीत तो स्कूल में भी तुम्हारा मनपसंद विषय है। तो देर किस बात की अपना गिटार उठाओ और शुरू हो जाओ। इंस्ट्रूमेंट तुम्हारी पसंद का कोई भी हो सकता है। छई, छप्पा छई, छप्पाक छई.. जैसा कोई भी गीत तुम गुनगुनाओगे तो ऐसा लगेगा मानो बारिश की बूंदें भी तुम्हारा साथ दे रही हैं। जरूरी नहीं कि तुम्हें बारिश के गीत गाकर मस्ती करनी है। अपनी पसंद का कोई भी गाना, जिसे गाकर व दूसरों को सुना कर मजा आए, तुम गुनगुना और गा
सकते हो।

डॉगी का साथ व रिमझिम बरसात

तुम अक्सर शाम के वक्त अपने डॉगी को पार्क में घुमाने ले जाते हो। उसके साथ खेलने में तुम्हें मजा भी बहुत आता है। तो क्यों न इस मौसम में बारिश की रिमझिम फुहारों का मजा अपने डॉगी के संग लिया जाए। यकीन मानो उसे भी बहुत मजा आएगा। ध्यान रहे कि भीगने में तुम इतने मत खो जाना, जिससे तुम्हें समय का ख्याल ही न रहे। कहने का मतलब यह है कि 10-15 मिनट के बाद खुद डॉगी के साथ वापस घर आ जाना। हां, अगर तुम्हारा डॉगी कुछ दिनों से बीमार चल रहा है तो उसे बारिश में लेकर मत जाना।

बारिश में नाव

क्या तुमने कभी नाव चलाई है? हम बड़ी नदी में चलने वाली नाव की बात नहीं कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं तुम्हारी खुद की बनाई कागज की नाव की। दरअसल अब तुम बच्चे नाव चलाकर मनोरंजन करते दिखाई नहीं देते। मगर आज भी दूरदराज के गांवों या छोटे शहरों में बच्चो बरसात के इस मौसम में मजे से नाव चलाते हैं। तुम भी दूर तक तैरती हुई नाव देख सकते हो। झमाझम बारिश के बाद तुम्हारी कॉलोनी में जगह-जगह पानी इकट्ठा हो जाता है। उस पर नाव छोड़ना, मस्ती ही मस्ती है। अगर तुम्हें फुल मस्ती चाहिए तो सभी दोस्त एक साथ अपनी कश्ती पानी में उतारो। फिर देखना कैसे छोटी-बड़ी कश्तियां धीरे-धीरे पानी में तैरती हैं। इन्हें देख कर तुम खूब मस्ती करोगे। अगर तुम्हें नाव बनानी नहीं आती तो तुम बड़े भाई या पेरेंट्स से सीखो। इन्हें नाव बनानी जरूर आती होगी। उनसे पूछना कि जब वे इस मौसम में खुद की बनाई नाव चलाते थे तो उन्हें कैसा लगता था।

बात जारी है पेज 8 पर...

इनको मिल जाती है बारिश की आहट

- भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।
- बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।
- गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों को खुजलाना आरंभ करता है।
- अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है।
- अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश होगी।
- तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं।
- कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो बारिश या बाढ़ आती है।

गर्मागर्म पकौड़े हो जाएं

सोचो, आज छुट्टी का दिन है। आज भैया-दीदी, मम्मा-पापा, सभी घर में हैं। बाहर झमाझम बारिश हो रही है। खिड़की से तुम अपने गमले के पत्तों पर पड़ रही बूंदों को निहार कर खुश भी हो रहे हो। शाम का वक्त है। हर रोज की तरह चाय का समय है। मम्मा से कहो, मम्मा आज चाय के साथ गर्मागर्म पकौड़े बना दो। हां, तुम इतना जरूर कर सकते हो कि मम्मा की रसोई में कुछ मदद कर दो और पकौड़ों के बनते ही सभी को उनकी जगह पर सर्व भी कर देना। तुम खुद महसूस कर सकोगे कि बारिश में चाय और पकौड़ों का आनंद अलग ही होता है। तुम चाहो तो अपने कुछ दोस्तों को भी बुला सकते हो।

बारिश को उतारो कैनवस पर

तुम में ऐसे बहुत से होनहार होंगे, जो देख कर कैनवस पर हूबहू वैसा ही उतार देते हैं। बस, तो इस मस्त मौसम में क्यों न कुछ ऐसा ही किया जाए। घर की बालकनी या खिड़की से बाहर ताक-झांक करो। तुम देखोगे कि बाहर एक से एक मजेदार सीन नजर आएंगे। सब्जी वाला भैया रेहड़ी दौड़ा कर सब्जियां बचा रहा होगा तो कुछ लोग एक ही छतरी से बारिश की बूंदों से बचने की कोशिश कर रहे होंगे। तो वहीं पेड़ों पर रिमझिम बारिश से मस्त प्राकृतिक दृश्य बन रहा होगा। बस उस दृश्य को कैनवस पर कैद कर लो।

मस्ती कुछ ऐसे भी

हम जानते हैं कि तुम्हें बारिश में भीगने में बहुत मजा आता है, लेकिन मम्मा मना करती हैं। आठवीं में पढ़ने वाली श्वेत कहती हैं कि मैं तो बारिश का नाम सुनते ही झूमने लगती हूं। आर्टिफिशयल शॉवर में वो मजा कहां, जो बारिश में भीगने में आता है। हमने तो स्कूल खुलने से पहले बारिश का इंतजार शुरू कर दिया था।' वहीं स्वभाव से शरारती अंकित का कहना है कि मैं स्कूल पैदल ही जाता हूं, क्योंकि मेरा स्कूल नजदीक ही है। इन दिनों मैं चाहता हूं कि बारिश उसी समय हो, जब स्कूल की छुट्टी हो, ताकि जम कर भीगा जाए। और रास्ते में छोटे पानी भरे हर गड्ढे में छपाक से पैर जरूर मारता हूं। तो हो जाओ तैयार तुम भी।

अपना कमरा बन जाएगा सुंदर

अपने कमरे की सफाई खुद करो। कई दिन से तुम्हारी अलमारी की सफाई नहीं हुई। उस पर रखे कुछ खिलौनों से तुम सिर्फ इसीलिए नहीं खेल पाते, क्योंकि उन पर धूल जमी हुई है। बस क्या, म्यूजिक चलाओ और झूमते-झूमते हुए अपनी अलमारी को बना दो एकदम साफ-सुथरा। बारिश के बहाने ही सही, तुमने अपने कमरे को भी सजा दिया।

सीखेंगे कुछ नया

अब बाहर तो बारिश हो रही है, पार्क में जाकर खेला भी नहीं जा सकता। बारिश में भीगने का मन नहीं है। तो क्या तुम घर बैठे-बैठे बोर होना चाहते हो। क्यों न इस समय का सदुपयोग कुछ नया सीखने के लिए किया जाए। इसके लिए मम्मी से बात करो। घर के छोटे कामकाज सीखोगे तो भी अच्छा रहेगा। और कुछ नहीं तो अपना कमरा समेटना, किताबें सही जगह रखना सीखो। घर के दूसरे कामों में मां की मदद करो। अगर ये करने का मन नहीं है तो क्राफ्ट भी कर सकते हो, पोयम या कुछ और लिख सकते हो, साइट्स देख सकते हो या दादी-दादू के साथ समय बिता सकते हो।

पतंग बनाना भी है मजेदार

मार्केट से बनी हुई पतंगें तुमने कई दफा खरीदी होंगी। इस बार क्यों न खुद ही पतंग बनाई जाए। जब बाहर जाना मुमकिन न हो तो ऐसे खुद पतंग बनाने का आइडिया है कमाल का। तुम स्कूल में तो अपनी कलाकारी खूब दिखाते हो, क्यों न इस क्रिएटिविटी को पतंग बनाने में लगा दिया जाए। जब डोर थामे तुम दूर दिख रही पतंग को देखोगे तो यकीन मानो तुम्हें जरूर अच्छा सा अनुभव होगा।

दादी का अस्पताल

अंतरिक्ष के पास एक पैर से चलाने वाली साइकिल थी। वह जब उसे चलाने बाहर निकलता तो उसकी दादी पीछे दौड़तीं। घर ढलान पर था। आसपास बहुत से चिनार के पेड़ थे। जंगली घास भी थी। दादी को लगता कि कहीं बच्चा साइकिल को न संभाल सके और नीचे लुढ़क जाए। तब क्या होगा? कितनी चोट लगेगी। आसपास वाले दादी से मजाक में कहते- ऐसा करो तुम भी एक साइकिल ले लो । बच्चे के साथ चलाओ, कुछ कसरत भी हो जाएगी और यह डर भी जाता रहेगा कि अंतरिक्ष कहीं गिर न जाए। दादी सुनती और चुप रह जातीं। उन्हें लगता कि कहीं बच्चे की ज्यादा चिंता करके वह गलती तो नहीं कर रही हैं, क्योंकि सब कहते थे कि बच्चा गिरेगा नहीं, गलती नहीं करेगा तो सीखेगा कैसे?

लेकिन गलती करने के चक्कर में कहीं इतनी चोट लग गई कि संभाले नहीं संभली तब फिर सब उन्हें ही सुनाएंगे कि वह तो बच्चा है। तुम तो बड़ी थीं, रोका क्यों नहीं? खान-पान में भी वह चाहती थीं कि वह दाल खाए, सब्जी खाए, दूध पिए, मगर वह हमेशा चॉकलेट और बर्गर मांगता। दाल देखकर नाक-भौं सिकोड़ता और खाने के नाम पर इधर-उधर दौड़ता। वह अपने बेटे से कहतीं तो वह कहता-जो चाहता है खाने दो। बच्चे पर क्या रोक लगानी।

दादी को लगता कि क्या वह सचमुच पुराने जमाने की हो गई। क्या उन्हें बच्चों के खान-पान और उनके स्वास्थ्य के बारे में कुछ नहीं मालूम। उन्हें लगा कि जब उनकी बात किसी को अच्छी ही नहीं लगती है तो वह क्यों बोलें? बस अब वह चुप रहने लगीं। अंतरिक्ष क्या खाता है, क्या करता है, इस पर वह कुछ न बोलतीं। वह उन्हें दिखाकर तेज साइकिल दौड़ाता, दादी का दिल जोर से धड़कता मगर वह चुप। वह जुकाम-खांसी में ठंडा जूस और आइसक्रीम खाने की जिद करता, उनका मन करता कि रोकें, मगर नहीं। वह एक चॉकलेट खाता, दूसरी मांगता। माता-पिता पकड़ाते जाते, दादी को बुरा लगता। सोचतीं कि बच्चों को कुछ हो न जाए, मगर किससे कहतीं? क्या सचमुच ही वह आउटडेटेड हो गई थीं या वक्त के हिसाब से दुनिया और बच्चों की जरूरतें बदल गई थीं, उन्हें ही पता नहीं चला था। वह अपने बच्चों के बचपन को याद करती थीं। बच्चे को जैसे ही कुछ तकलीफ होती थी और उन्हें समझ में नहीं आती थी तो वह फौरन अपनी मां या सास को फोन करतीं। फिर कोई न कोई दवा ऐसी होती जो घर के मसालों, सब्जियों, दही, दूध, शहद में मौजूद होती, बच्चों को देतीं और वे ठीक हो जाते। मगर अब सब बातों के लिए डॉक्टर के पास दौड़ना था। डॉक्टर न मिले तो अस्पताल ले जाना था। सवेरे का वक्त था। सब लोग ऑफिस जाने की तैयारी कर रहे थे। दादी सबके लिए खाना बना चुकी थीं। सलाद काट रही थीं कि इतने में फोन बजा। वह फोन उठाने गईं। बातचीत करके लौटीं तो देखती क्या हैं कि जिस चाकू से सलाद काट रही थीं, अंतरिक्ष उसे ही लेकर दौड़े जा रहा है। दादी को डर लगा, वह उसके पीछे दौड़ीं और फिसलने से बचीं। उन्होंने अंतरिक्ष के पापा को पुकारा-अरे देखो तो इसके हाथ से चाकू ले लो। कहीं हाथ में न लग जाए। बहुत ही शैतान होता जा रहा है। अंतरिक्ष के पापा ने दौड़कर उसे पकड़ा और दोनों हाथों को पकड़ लिया। पापा चाकू ले लेंगे, यह सोचकर उसने चाकू को तेजी से मुट्ठी में बंद कर लिया। और दादी के मुंह से निकला-हे भगवान ये क्या हुआ? अंतरिक्ष के पापा की नजर भी पड़ी। उसकी की हथेली से तेज खून बह रहा था। उसके पापा ने घबराकर कहा-मां देखो यह क्या हो गया? अभी तो डॉक्टर भी नहीं आया होगा। उसकी मम्मी भी घबरा गईं।

दादी वापस रसोई में गईं। मसालदानी से ढेर सी हल्दी लाईं और अंतरिक्ष के घाव पर बुरक दी। थोड़ी ही देर में खून बहना बंद हो गया। फिर दादी ने पानी में पट्टी को डुबोया और उसके हाथ पर बांध दी। पानी की पट्टी से क्या होगा मां? उसके पापा ने पूछा तो दादी बोलीं-इससे घाव जल्दी भर जाएगा। लेकिन खून इतनी जल्दी कैसे रुक गया? हल्दी से। हल्दी एंटीसेप्टिक भी है।

वाह भई मां, आप तो पूरी डॉक्टर निकलीं। अंतरिक्ष के पापा ने कहा तो दादी मुसकराईं। उन्हें अपने बेटे का बचपन याद आ गया। कैसे खेलते वक्त वह चोट लगाकर लाता था और वह इसी तरह के उपाय किया करती थीं। फिर भी उसके माता-पिता को लगा कि उसे डॉक्टर के पास ले जाना जरूरी है। डॉक्टर ने उसे देखा। दवा लगाई। इंजेक्शन दिया फिर कहा-आपकी मम्मी ने बिलकुल ठीक किया हल्दी लगाकर और पट्टी बांधकर, वरना बच्चे का काफी खून बह जाता। घाव गहरा है। फिर मुसकराकर बोला-इन बूढ़ों की नॉलेज के सामने तो कई बार डॉक्टर भी हार मान जाते हैं। डॉक्टर की बात सुनकर अंतरिक्ष के मम्मी-पापा को भी लगा कि उन्हें भी कभी-कभी अपने माता-पिता की नॉलेज का लाभ उठाना चाहिए। जब वे लौट रहे थे, तभी रेडलाइट पर गुब्बारा बेचने वाला आया। जब अंतरिक्ष लौटा तो उसके हाथ में बड़ा सा गुब्बारा था। वह दौड़ता हुआ दादी के पास गया-देखो गुब्बारा। दादी बोलीं-ठीक है, खूब खेलो। अंतरिक्ष ने मम्मी-पापा को बाय कहा। वे दफ्तर चले गए थे और वह खेल में मशगूल हो गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इवाना ट्रंप की मौत दुर्घटनावश हुई, न्यूयॉर्क के चिकित्सा परीक्षक ने किया खुलासा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली पत्नी इवाना ट्रंप की मृत्यु शरीर पर चोट लगने के कारण दुर्घटनावश हुई। न्यूयॉर्क शहर के चिकित्सा परीक्षक के कार्यालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया था कि पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या उनकी मौत सीढ़ियों से गिरने से हुई थी। चिकित्सा परीक्षक की संक्षिप्त रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि यह दुर्घटना कब हुई। डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को बताया था कि इवाना का मैनहट्टन के अपर ईस्ट साइड में सेंट्रल पार्क के समीप उनके घर में निधन हो गया। वह 73 वर्ष की थीं। ट्रंप दंपती 1980 के दौर में न्यूयॉर्क के प्रभावशाली दंपती थे। हालांकि, बाद में दोनों ने तलाक ले लिया था, जिसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने मार्ला मैपल्स से शादी कर ली थी। हाल के वर्षों में इवाना ट्रंप के अपने पूर्व पति से संबंध अच्छे हो गए थे। उन्होंने 2017 में आयी एक किताब में लिखा था कि वे हफ्ते में एक बार बात जरूर करते हैं। इवाना ने 2016 में 'न्यूयॉर्क पोस्ट' से कहा था कि वह पूर्व राष्ट्रपति की समर्थक और सलाहकार दोनों हैं। इवाना का जन्म चेक गणराज्य के चेकोस्लोवाक शहर में 1949 में हुआ था। उन्होंने ट्रंप से 1977 में शादी की थी।

पाकिस्तान के सिंध में युवक की हत्या के बाद झड़प, 160 लोग गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सिंधियों और पश्तूनों के बीच झड़प होने के बाद करीब 160 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हैदराबाद के एक होटल में एक सिंधी व्यक्ति की हत्या के बाद दोनों समुदायों के बीच झड़प हुई। सोशल मीडिया में वायरल एक वीडियो में देखा जा सकता है कि बिलाल काका (35) नामक एक व्यक्ति को एक पश्तून होटल के मालिक ने पीटा और बाद में उसकी हत्या कर दी। यह घटना मंगलवार को हैदराबाद में हुई थी। भोजन के बिल को लेकर विवाद शुरू हुआ था। मीडिया में प्रकाशित खबरों के अनुसार, काका और उसके चार दोस्तों ने होटल के मालिक शाह सरवर पठान को धमकी दी थी जिससे स्थिति बिगड़ गई। दोनों समुदायों के बीच कई स्थानों पर झड़पें हुईं।

अमेरिका में कम से कम 20 वाहनों के आपस में टकराने से पांच लोगों की मौत

हार्डिन (अमेरिका)। अमेरिका में मोंटाना राज्य के इंटरस्टेट 90 पर शुक्रवार शाम को कम से कम 20 वाहनों के आपस में टकरा जाने के कारण पांच लोगों की मौत हो गयी है। प्राधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। गर्वनर ग्रेग गियाफोर्ते ने ट्वीट किया, ''मैं हार्डिन के समीप बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने की खबरों से बहुत दुखी हूं। कृपया मेरे साथ पीड़ितों और उनके प्रियजनों के लिए दुआ कीजिए। हम प्रथम बचावकर्ताओं की उनकी सेवा के लिए आभारी हैं।' समाचार चैनल 'केटीवीए' की खबरों के अनुसार, यह हादसा हार्डिन से पांच किलोमीटर दूर पश्चिम में हुआ। मोंटाना राजमार्ग गश्ती दल के सर्जेंट जे नेल्सन ने 'एमटीएन' न्यूज को बताया कि घटना की सूचना शाम करीब साढ़े चार बजे मिली और प्रथम बचावकर्ता 90 मिनट बाद घटनास्थल पर पहुंचे।

भारत ने नेपाल को बाढ़ राहत सामग्री सौंपी

काठमांडू। भारत ने शुक्रवार को नेपाल को बाढ़ और आपदा राहत सामग्री की खेप सौंपी। भारतीय दूतावास के बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने यहां गृह मंत्रालय के एक कार्यक्रम के दौरान नेपाल के गृह मंत्री बाल कृष्ण खंड को राहत सामग्री सौंपी। इनमें 3,000 टेंट और दस मोटर चालित नौकाएं भी शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान श्रीवास्तव ने आशा जताई कि ''राहत सामग्री की आपूर्ति से संबंधित एजेंसियों को समय पर इसका वितरण करने में मदद मिलेगी।'' गृह मंत्री खंड ने राहत सामग्री के समय पर वितरण के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया तथा भारत और नेपाल के बीच आपदा राहत से संबंधित सहयोग की सराहना की। बयान में कहा गया कि साझा इतिहास और संस्कृति वाले भारत और नेपाल विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक मुद्दों पर सहयोग करते हैं। भारतीय दूतावास के बयान में कहा गया है कि राहत सामग्री नेपाल में आपदा से निपटने में भारत के निरंतर सहयोग को दर्शाती है। बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं अक्सर नेपाल के साथ-साथ भारत को भी प्रभावित करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप जान-माल का नुकसान होता है। राजदूत ने कहा कि इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए दोनों देशों के पास वर्षों से एक समन्वय तंत्र है।

अमेरिका में गर्भपात संबंधी कानून बहाल करने को लेकर संसद के निचले सदन ने दी मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका में गर्भपात संबंधी कानून बहाल करने को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कांग्रेस के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में पेश किए गए एक विधेयक को मंजूरी मिल गई है। हालांकि, इस विधेयक के कानून बनने की संभावना कम है क्योंकि इसके लिए उच्च सदन सीनेट से भी मंजूरी चाहिए। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में पेश किया गया विधेयक 210 के मुकाबले 219 मतों से पारित हुआ। सदन में एक और प्रस्ताव पर मतदान होना है जिसके तहत गर्भपात के लिए किसी अन्य प्रांत में जाने वाली महिलाओं को संरक्षण प्रदान किया जाएगा। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने रो बनाम वेड मामले से संबंधित फैसले को पलटते हुए गर्भपात कराने के महिलाओं के संवैधानिक अधिकार को निरस्त करने का फैसला सुनाया था। उसके बाद देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न प्रांतों को अपनी सुविधा के मुताबिक गर्भपात संबंधी कानून लागू करने का आदेश दिया था।

नीदरलैंड के किसान आंदोलन को कई देशों का समर्थन

- गायों की संख्या 30 फ़ीसदी घटाने का सरकारी फरमान

नीदरलैंड । नीदरलैंड सरकार ने किसानों से नाइट्रोजन उत्सर्जन कम करने के लिए कहा है। सरकार ने गायों की संख्या 30 फ़ीसदी घटाने के आदेश किसानों और पशुपालकों को दिए है।सरकार का कहना है कि कृषि से जुड़े लोगों को नाइट्रोजन उत्सर्जन कम करना होगा। नीदरलैंड सरकार ने 2030 तक नाइट्रोजन ऑक्साइड और अमोनिया के उत्सर्जन को 50 से 70 फ़ीसदी कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सरकार के इस निर्णय के विरोध में किसान सड़कों पर उतर आए हैं। किसानों ने एयरपोर्ट और हाईवे को जाम कर दिया है। सुपर मार्केट की खाद्य सप्लाई को रोक दिया है। किसानों का कहना है पशुपालन से 5 पीढ़ियां पशुपालन के रोजगार से जीवनयापन करती आई हैं। सरकार नियम बनाकर किसानों को आर्थिक रूप से कमजोर कर रही है। सरकार के नए कानून के विरोध में पशुपालकों और किसानों का आंदोलन तेज हो गया है। नीदरलैंड में चल रहे किसान आंदोलन को इटली, स्पेन जर्मनी और पोलैंड के किसानों ने भी अपना समर्थन दिया है।उल्लेखनीय है,नीदरलैंड की आबादी एक करोड़ 75 लाख है। नीदरलैंड में लगभग 16 लाख दुधारू पशु पंजीकृत है। इसमें बड़ी संख्या गायों की है। यहां के लोगों का पशुपालन और कैसी प्रमुख धंधा है।नीदरलैंड सरकार ने पशुपालकों को गायों की संख्या 30 फीसदी कम करने को कहा है। जिससे वहां की गायों के जीवन पर भी बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

समझौते के तहत एक बार फिर एक-दूसरे के रॉकेट पर सवार होंगे अमेरिका और रूस के अंतरिक्ष यात्री

केप कैनेवरल, अमेरिका। अंतरिक्ष प्रोग्राम के अंतर्गत अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अंतरिक्ष यात्री घोषित एक समझौते के तहत एक बार फिर से रूसी रॉकेट पर सवार होंगे। वहीं रूसी अंतरिक्ष यात्री स्पेसएक्स के जरिये अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचेंगे। नासा और रूसी अधिकारियों के मुताबिक, समझौते के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अंतरिक्ष स्टेशन के सुचारू संचालन के लिए वहां हमेशा कम से कम एक अमेरिकी और एक रूसी अंतरिक्ष यात्री मौजूद रहें। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री फ्रैंक रूबियो दो रूसी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ सितंबर में कजाकिस्तान से अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होंगे। इसी महीने, रूसी अंतरिक्ष यात्री एना किकिना फ्लोरिडा में स्पेसएक्स रॉकेट से उड़ान भरेंगी, जिसमें दो अमेरिकी और एक जापानी अंतरिक्ष यात्री भी सवार रहेंगे।

सउदी अरब के दौरे पर पहुंचे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन का स्वागत करते सउदी के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान।

सुप्रीम कोर्ट से इमरान को झटका, सत्ता परिवर्तन की साजिश संबंधी दावे खारिज

- खान ने अमेरिका पर स्थानीय सहयोगियों की मदद से उनकी सरकार को बदलने का आरोप लगाया था

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने सत्ता परिवर्तन की साजिश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के दावों को खारिज कर दिया है। खान को 10 अप्रैल को अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से हटा दिया गया था, लेकिन उन्होंने संसद के फैसले को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। खान ने अमेरिका पर स्थानीय सहयोगियों की मदद से उनकी सरकार को बदलने का आरोप लगाया था। शीर्ष अदालत ने तीन अप्रैल को तत्कालीन डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी द्वारा अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने से संबंधित एक मामले में बृहस्पतिवार को एक विस्तृत फैसले में लिखा कि उसे सत्ता परिवर्तन के दावे के समर्थन में सबूत नहीं मिले। सूरी ने प्रस्ताव को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि यह विदेशी मदद से सरकार बदलने का प्रयास था। अदालत ने अपने आदेश में सूरी के फैसले को अवैध घोषित किया था और प्रस्ताव पर मतदान का आदेश दिया था। अदालत ने अपने विस्तृत फैसले में खान और उनके समर्थकों के इस दावे का समर्थन नहीं किया कि सरकार विदेशी हस्तक्षेप से बदली गई थी। अन्य बातों के अलावा, अदालत ने माना कि आरोप अस्पष्ट थे और सबूतों द्वारा समर्थित नहीं थे। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इस आशय का कोई अवलोकन नहीं किया गया था कि अविश्वास प्रस्ताव (आरएनसी) विपक्षी दलों द्वारा या पाकिस्तान में व्यक्तियों द्वारा एक विदेशी राष्ट्र के साथ साजिश के तहत पेश किया गया था।

यूक्रेन के आवासीय क्षेत्र में रूस ने दागी तीन मिसाइलें, तीन बच्चों सहित 23 लोगों की मौत

कीव (एजेंसी)।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूस के हमलों को लगातार झेल रहा है और पांच महीने बाद भी यहां तबाही थमने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार को रूसी मिसाइलों ने पूर्वी सीमा से दूर एक शहर पर हमला किया जिसमें तीन बच्चों सहित कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यूक्रेनी शहर विन्नित्सिया पर हुए हमले में 100 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। यह शहर कीव के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है और डोनबास में चल रही लड़ाई से काफी दूर है। बीबीसी की खबर के अनुसार तीन रूसी मिसाइलों ने एक ऑफिस ब्लॉक को निशाना बनाया और आवासीय इमारतों को भी क्षतिग्रस्त किया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इसे 'खुला आतंकवाद' करार दिया है। यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा ने कहा कि मिसाइलों ने नौ मंजिला इमारत को निशाना बनाया। शहर के बीच में स्थित आवासीय इमारतों पर भी मिसाइलें गिरीं जिनमें 370,000 लोग रहते हैं।

रूसी रक्षा मंत्रालय नागरिकों पर हमले से लगातार इनकार करता रहा है। मंत्रालय ने अभी तक इस पर टिप्पणी नहीं की है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि हमला काला सागर में एक पनडुब्बी से दागी गई कैलिबर क्रूज मिसाइल से हुआ था। यूक्रेन के गृह मंत्री ने कहा कि हमले के बाद

दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस और यूक्रेनी की सिक्योरिटी सर्विस उनसे पूछताछ कर रही हैं। एक वरिष्ठ क्षेत्रीय आपातकालीन सेवा अधिकारी ने स्थानीय टीवी को बताया कि हमले में 'संभवतः किसी के भी बचने की कोई संभावना नहीं है'। स्थानीय मीडिया से बात करते हुए जेलेंस्की ने कहा, 'हर रोज, रूस नागरिकों को मारता है, यूक्रेन के बच्चों को मारता है और नागरिकों के घरों पर मिसाइल हमले करता है जहां कोई मिलिट्री टारगेट नहीं है। अगर यह खुला आतंकवाद नहीं है तो क्या है?' यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि हमले में मरने वाले तीन बच्चों में से एक लिजा नाम की लड़की थी, जो रॉकेट हमले के समय अपनी मां के साथ स्पीच थैरेपी सेशन से लौट रही थी। रूसी हमलों का केंद्र अब कीव के बजाय डोनबास है जिस पर पुतिन कब्जा करना चाहते हैं। सेवेरोडोनेत्स्क और खेरसॉन जैसे शहरों पर रूस पहले ही कब्जा कर चुका है। हालांकि यूक्रेन का दावा है कि वह शहरों को वापस अपने नियंत्रण में लेने के लिए एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। खबरों की मानें तो जेलेंस्की ने अपने जनरलों से अभियान के लिए आवश्यक सैन्य उपकरणों की सूची बनाने के लिए कहा है।

श्रीलंका में संविधान का सम्मान करते हुए सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण हो : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र ने देश के सभी हितधारकों से संविधान के प्रति पूर्ण सम्मान दिखाते हुए सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण सुनिश्चित करने की अपील की है। विश्व संस्था ने यह भी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि मौजूदा अस्थिरता और लोगों की शिकायतों के मूल कारण का समाधान किया जाए। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे के बाददेश में संयुक्त राष्ट्र की रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर हाना सिंगर-हम्दी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह जरूरी है कि सत्ता का हस्तांतरण संसद के भीतर और बाहर व्यापक एवं समावेशी विचार-विमर्श के साथ हो। उन्होंने कहा, ''श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र सभी हितधारकों से संविधान का पूर्ण सम्मान करते हुए सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को सुनिश्चित करने का आग्रह करता है। यह महत्वपूर्ण है कि मौजूदा अस्थिरता के मूल कारणों और लोगों की शिकायतों का समाधान किया जाए। सभी हितधारकों के साथ बातचीत सभी श्रीलंकाई लोगों की चिंताओं को दूर करने और आकांक्षाओं को पूरा करने का सबसे अच्छा तरीका है। गायिका-हम्दी ने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने में सुरक्षा बल संयम बरतें और मानवाधिकार सिद्धांतों और मानकों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र तत्काल और दीर्घकालिक दोनों जरूरतों को पूरा करने के लिए श्रीलंका की सरकार और लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। रानिल विक्रमसिंघे ने शुक्रवार को श्रीलंका के अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। संसद जब तक गोटबाया राजपक्षे के उत्तराधिकारी का चुनाव नहीं कर लेती, तब तक विक्रमसिंघे देश के अंतरिम राष्ट्रपति रहेंगे। गोटबाया राजपक्षे ने उनकी सरकार पर अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने और देश को दिवालिया करने के आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा है कि 73 वर्षीय विक्रमसिंघे ने प्रधान न्यायाधीश जयंत जयसूर्या के समक्ष श्रीलंका के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

श्रीलंका की संसद 1978 के बाद पहली बार अगले राष्ट्रपति का करेगी चुनाव, जनता नहीं करेगी वोट

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका में जारी उथल-पुथल के बीच गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे के मद्देनजर 1978 के बाद पहली बार देश के अगले राष्ट्रपति का चुनाव जनता के वोट के माध्यम से नहीं, बल्कि सांसदों के गुप्त मतदान से होगा। स्पीकर महिंदा यापा अभयवर्धने ने शुक्रवार को कहा कि 225 सदस्यीय संसद 20 जुलाई को गुप्त मतदान से नए राष्ट्रपति का चुनाव करेगी। श्रीलंका में 1978 के बाद से कभी भी संसद ने राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान नहीं किया। वर्ष 1982, 1988, 1994, 1999, 2005, 2010, 2015 और 2019 में जनता के वोट से राष्ट्रपति का चुनाव हुआ था। केवल एक बार 1993 में राष्ट्रपति पद मध्यावधि में खाली हुआ था, जब राष्ट्रपति रणसिंघे प्रेमदासा की हत्या कर दी गई थी। प्रेमदासा के बचे कार्यकाल के लिए संसद द्वारा डी बी विजेतुंगा को सर्वसम्मति से चुना गया था। नए राष्ट्रपति नवंबर 2024 तक गोटबाया राजपक्षे के शेष कार्यकाल तक पद पर रहेंगे। अगले हफ्ते के मुकाबले में रानिल विक्रमसिंघे (73) दौड़ में सबसे आगे होंगे। देश में अभूतपूर्व आर्थिक संकट के बीच विक्रमसिंघे मई में प्रधानमंत्री बने। विक्रमसिंघे की यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) 2020 के संसदीय चुनाव में हार गई थी। विक्रमसिंघे 1977 के बाद पहली बार कोई सीट जीतने में असफल रहे। उन्होंने एकीकृत राष्ट्रीय वोट के आधार पर आवंटित पार्टी की एकमात्र सीट के जरिए 2021 के अंत में संसद में प्रवेश किया। राष्ट्रपति पद के लिए अगले मुख्य दावेदार मुख्य विपक्षी नेता सजिथ प्रेमदासा (55) हो सकते हैं।

भारत को राहत, रूस से खरीद सकेगा एस-400, काट्सा से छूट वाला बिल पास

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत के लिए अच्छी खबर है अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने भारत को रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए सीएएटीएसए प्रतिबंधों से खास छूट दिलाने वाले एक संशोधित विधेयक को गुरुवार को पारित कर दिया। भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना द्वारा पेश किए गए इस संशोधित विधेयक में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन से भारत को चीन जैसे आक्रामक रुख वाले देश को रोकने में मदद करने के लिए 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शंस एक्ट' (सीएएटीएसए) से छूट दिलाने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल करने का अनुरोध किया गया है। राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून (एनडीएए) पर सदन में चर्चा के दौरान गुरुवार को ध्वनि मत से यह संशोधित विधेयक पारित कर दिया गया।

खन्ना ने कहा, 'अमेरिका को चीन के बढ़ते आक्रामक रूख के मद्देनजर भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए। भारत कॉकस के उपाध्यक्ष के तौर पर मैं हमारे देशों के बीच भागीदारी को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने पर काम कर रहा हूं कि भारतीय-चीन सीमा पर भारत अपनी रक्षा कर सकें।' उन्होंने कहा, 'यह संशोधन अत्यधिक महत्वपूर्ण है और मुझे यह देखकर गर्व हुआ कि इसे दोनों दलों के समर्थन से पारित किया गया है।' सदन में अपनी टिप्पणियों में खन्ना ने कहा कि अमेरिका-भारत भागीदारी से ज्यादा महत्वपूर्ण अमेरिका के रणनीतिक हित में और कुछ भी इतना जरूरी नहीं है।

विधेयक में कहा गया है कि 'यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस' (आईसीईटी) दोनों देशों में सरकारों, शैक्षणिक समुदाय और उद्योगों के बीच करीबी साझेदारी विकसित करने के लिए एक स्वागत योग्य और आवश्यक कदम है ताकि कृत्रिम बुद्धिमता, क्वांटम कम्प्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी, एरोस्पेस और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में नवीनतम प्रगति को अपनाया जा सकें। विधेयक कि इंजीनियर और कम्प्यूटर वैज्ञानिकों के बीच ऐसी भागीदारी यह सुनिश्चित करने में अहम है कि अमेरिका और भारत के साथ ही दुनियाभर में अन्य लोकतांत्रिक देश नवोन्मेष और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा दे सकें, ताकि ये रूस और चीन की प्रौद्योगिकी को पछाड़ सकें। वर्ष 2017 में पेश सीएएटीएसए के तहत रूस से रक्षा और खुफिया लेन-देन करने वाले किसी भी देश के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का प्रावधान है।

इसे 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे और 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मॉस्को के कथित हस्तक्षेप के जवाब में लाया गया था। पिछले दो दशकों में अपने सैन्य आधुनिकीकरण और विस्तार के चलते चीन दुनिया की सबसे प्रभावशाली ताकतों में से एक बनने की कगार पर पहुंच गया है। विशेष रूप से, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन), संख्यात्मक रूप से सबसे बड़ी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का केंद्र बिंदु रही है। दक्षिण चीन सागर के ज्यादातर हिस्सों में पहले से आक्रामक गतिविधियां देखी जा रही हैं और अब सीसीपी पीएलएएन का इस्तेमाल हिंद महासागर में करना चाह रही है जो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बिगाड़ सकता है।

किसी का भी समर्थन करें, लेकिन सुनक का नहीं : जॉनसन ने सहयोगियों से कहा

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री के लिए दौड़ के गति पकड़ने के बीच कार्यवाहक प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपने सहयोगियों से कथित तौर पर कहा कि ''किसी का भी समर्थन कीजिए, लेकिन ऋषि सुनक का नहीं।'' मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के जॉनसन ने सात जुलाई को पार्टी के नेता के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। 'द टाइम्स' अखबार की खबर में कहा गया है कि उन्होंने पार्टी का नेतृत्व हासिल करने की दौड़ में पिछड़ गये नेताओं से अनुरोध किया है कि वे पूर्व वित्त मंत्री एवं चांसलर सुनक का समर्थन नहीं करें, जो जॉनसन के अपनी ही पार्टी में समर्थन खोने के लिए जिम्मेदार हैं। एक सूत्र ने बताया कि जॉनसन विदेश मंत्री लिज ट्रस का समर्थन कराने को इच्छुक नजर आ रहे हैं, जिनका अनुमोदन उनके (जॉनसन के) कैबिनेट सहयोगियों जैकब रीस-मोग और नैडीन डोरिस ने किया है। जॉनसन ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर पेनी मोरडाउंट के लिए भी कथित तौर पर विकल्प खुले रखे हैं। मोरडाउंट कनिष्ठ व्यापार मंत्री हैं। खबर के मुताबिक, पूर्व चांसलर के इस्तीफे को अपने साथ कथित तौर पर विश्वासघात के रूप में देख रहे जॉनसन और उनका खेमा 'किसी का भी समर्थन कीजिए, लेकिन ऋषि सुनक का नहीं' के रूप में एक गुप्त अभियान चला रहा है। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री पद से उनके इस्तीफे ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट से जॉनसन की विदाई सुनिश्चित कर दी। अखबार ने एक सूत्र को उद्धृत करते हुए कहा, ''पूरी 10 डाउनिंग स्ट्रीट टीम ऋषि से नफरत करती है। वे उन्हें (जॉनसन को) अपदस्थ करने के लिए साजिद जाविद को जिम्मेदार नहीं ठहरा रहे हैं। वे ऋषि को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्हें लगता है कि वह महीनों से इसकी साजिश रच रहे थे।'' गौरतलब है कि सुनक संसद के टोरी (कंजर्वेटिव) सदस्यों द्वारा किये गये प्रथम दो चरण के मतदान में विजेता रहे हैं। इस बीच, जॉनसन के एक सहयोगी ने इस दावे को खारिज कर दिया कि वह (जॉनसन) सुनक के अलावा किसी को

भी अपना उत्तराधिकारी बनते देखना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि निवर्तमान प्रधानमंत्री सुनक के विश्वासघात करने से नाराज हैं। वहीं, सुनक के खेमे ने इन सुझावों को तवज्जो नहीं देने की कोशिश की कि उनका मजबूत समर्थन टोरी सांसदों के अतिरिक्त नहीं है।सुनक का समर्थन कर रहे टोरी सांसद रिचर्ड होल्डेन ने कहा, ''उम्मीद है कि हम आगे बढ़ेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू कश्मीर के पुंछ में एलओसी के पास ड्रोन नजर आने पर सेना ने गोलीबारी की

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक ड्रोन उड़ता देखा गया और सेना के जवानों की गोलीबारी के बाद ड्रोन पीछे लौट गया। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ड्रोन को शुक्रवार रात कृष्णा घाटी सेक्टर में बलोनी के निकट नियंत्रण रेखा के पास उड़ते हुए देखा गया। सूत्रों ने कहा कि मुस्तैद जवानों ने गोलियां चलाईं और ड्रोन वापस पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तरफ लौट गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद सेना और पुलिस ने इलाके में तलाश अभियान शुरू किया है।

पंजाब: भटिंडा में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अपमान, पुलिस ने जांच शुरू की

बठिंडा (पंजाब)। बठिंडा के रमन मंडी में एक सार्वजनिक पार्क में कुछ अज्ञात लोगों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़ दिया। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि घटना बृहस्पतिवार और शुक्रवार की रात हुई। स्थानीय लोगों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। थाना प्रभारी (सदर) हरजोत सिंह मान ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और रमन मंडी थाने में मामला दर्ज किया गया है। जिला शहरी कांग्रेस के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंगला ने घटना में शामिल लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। वहीं, पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही दोषियों को पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों का पता लगाने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की फुटेज की जांच की जा रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर दिखी हज यात्रा से लौटे हाजियों की भीड़, परिजनों ने गले लगाकर किया स्वागत

नई दिल्ली । हज यात्रा 12 जुलाई को खत्म हो गई है और इस प्यारे से सफर से हाजी और उनके परिवार वाले भी वापस घर लौट आए है। एयरपोर्ट पर हाजी जैसे ही अपने परिजनों से मिले तो सभी काफी भावुक हो गए और गले लगाने लगे। घरवाले इस बात से भी खुश थे कि अल्लाह के दरबार में हाजिरी लगाकर वापस लौट आए हैं। कोरोना के कारण दो सालों से तक हज यात्रा पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन अब भारत समेत दुनियाभर से लोग इस साल हज यात्रा पर गए। बता दें कि दिल्ली एयरपोर्ट पर भारत हाजियों की पहली फ्लाइट पहुंची। पहली फ्लाइट में 410 हाजी भारत लौटे जिनमें से दिल्ली के 136, यूपी के 269, हरियाणा के 3 और जम्मू कश्मीर के 2 हज यात्री शामिल थे। सभी के परिवार वाले दिल्ली एयरपोर्ट पर रात 2 बजे से इंतजार कर रहे थे। हिल्ली एयरपोर्ट पर हाजियों के परिजनों की काफी भीड़ लगी हुई थी। भारत लौटने के बाद सभी के चेहरे पर खुशी थी और अपने परिजनों को गले लगा रहे थे। बता दें कि मुसलमानों में एक बार हज यात्रा करना हर किसी का सपना होता है। हज इस्लाम की 5 सबसे बुनियादी चीजों में से एक मानी जाती है। हर मुसलमान हज पर तभी जाता है जब आपके पास काफी दौलत हो और आप आसानी से आ-जा सकें। घर में कोई परेशानी न हो।

देश में कोरोना कहर तेज, एक दिन में सामने आए 20 हजार से ज्यादा नए मामले, 56 संक्रमितों ने दम तोड़ा

नई दिल्ली । कोरोना महामारी एक बार फिर कहर बरपा रही है। देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 20,044 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,37,30,071 हो गई। वहीं, देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,40,760 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को सुबह 8 बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 56 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,25,660 हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,40,760 हो गई है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,687 की बढ़ोतरी हुई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.48 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 4.80 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.40 प्रतिशत है। देश में अब तक कुल 4,30,63,651 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 199.71 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे। संक्रमण से जिल 56 लोगों की मौत हुई है उनमें से 27 केरल से, 10 महाराष्ट्र से, पांच पश्चिम बंगाल से, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश से दो-दो और असम, बिहार, कर्नाटक, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु और उत्तराखंड से एक-एक मरीज हैं।

फ्रांस से पार्सल के द्वारा दिल्ली भेजी गई 7 पिस्टल, पता गलत होने पर मामला सामने आया

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 45 पिस्टल पकड़े जाने के बाद अब विदेश से पार्सल के जरिये पिस्टल भेजने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह पार्सल फ्रांस से दिल्ली भेजा गया था, लेकिन यह गलत पते पर पहुंच गया। पार्सल रिसीव करने वाले ने जब उसे खोला तो हैरान रह गया। पार्सल में उसे 7 पिस्टल रखे हुए मिले, जिसके बाद उसने तुरंत फॉरेन पोस्ट ऑफिस को इसकी जानकारी दी। फॉरेन पोस्ट ऑफिस (एफपीओ) में असिस्टेंट कमांडेंट ने कस्टम विभाग को इस बारे में लिखित जानकारी दी, जिसमें उन्होंने बताया कि फ्रांस से कुमार पवन नाम के व्यक्ति ने 12 जुलाई को ये कंसाइंमेंट भेजा था। इस पार्सल में 7 पिस्टल रखे थे, लेकिन ये जिस एड्रेस पर डिलीवर होनी थी, वो एड्रेस गलत है। एफपीओ ने प्रोटोकॉल के अनुसार इस बारे में आईबी, एनएसजी और एनआईए को सूचित किया और पार्सल को जब्त कर लिया। फिलहाल इन पिस्टल का बैलेस्टिक टेस्ट हो रहा है, जिसके बाद अगर संज्ञेय अपराध बनेगा तब दिल्ली पुलिस एक्शन लेगी। अभी सिर्फ जानकारी दिल्ली पुलिस को दी गई है। बता दें कि आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने 3 दिन पहले इसी तरह की 45 पिस्टल बरामद की थी। इस मामले में एक पति-पत्नी की गिरफ्तारी हुई थी, जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस फिलहाल यह भी पता लगा रही है कि यह केस भी उसी से संबंधित है या नहीं।

सीएम भगवंत मान के आवास के समक्ष दो युवकों ने किया खुदकुशी का प्रयास

संगरूर । पंजाब के सीएम भगवंत मान के सरकारी बंगले के के सामने पिछले ढाई महीने से धरने पर बैठे पंजाब पुलिस भर्ती 2016 में वेटिंग व 2017 वेरिफिकेशन उम्मीदवारों में से एक युवक ने मध्य रात्रि को स्प्रे पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। गुरुवार से 3 व शुक्रवार को 8 उम्मीदवार अपने साथ स्प्रे की बोतल लेकर मरण व्रत पर बैठे हैं। उन्होंने शुक्रवार को चेतावनी दी थी कि अगर शनिवार तक उन्हें नियुक्ति पत्र में दिए गए तो वह आत्महत्या कर लेंगे। इसी के बीच शुक्रवार रात को युवक गुरजीत सिंह ने जहर पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिससे तुरंत सिविल अस्पताल संगरूर लाया गया। डाक्टर ने उसका इलाज आरंभ किया लेकिन युवक ने इलाज दौरान डक्टर का विरोध किया। धरनास्थल पर ही है एक अन्य युवक ने परने से फंदा लगाने की कोशिश भी की जिसे बाकी सदस्यों ने बचाया। गौरतलब है कि 10 मई से पंजाब पुलिस भर्ती 2016 तथा 2017 वेरिफिकेशन उम्मीदवार मुख्यमंत्री भगवंत मान के आवास के समक्ष पक्के धरने पर बैठे हैं। लोकसभा उपचुनाव से कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि जुलाई के पहले सप्ताह में उनके मामले पर विचार विमर्श किया जाएगा तथा जल्द से जल्द उन्हें नियुक्ति के लिए सरकार द्वारा विचार किया जाएगा। ?किंतु जुलाई का आधा महीना गुजरने के बावजूद अभी तक सरकार की ओर से उनकी नियुक्ति के लिए कोई फैसला नहीं लिया गया है जिस से आहत होकर 11 सदस्य मरण व्रत पर बैठे हैं वह आत्महत्या करने का ऐलान कर चुके हैं। गौरतलब है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में रोजगार के मुद्दे पर आप ने सत्ताधारी दल को घेरा था, लेकिन अब सरकार में आने पर बेरोजगारों की कोई सुनवाई नहीं हो रही।

'देश भर की अदालतों में करीब 5 करोड़ मामले लंबित', कानून मंत्री बोले- ठोस कदम उठाने की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने दावा किया है कि देश भर के अदालतों में लगभग 5 करोड़ मामले लंबित हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसे कम करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। कानून मंत्री ने 18वें अखिल भारतीय विधिक सेवा प्राधिकरण के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कल मैंनें अपने डिपार्टमेंट के ऑफिसर से बात की है कि कुछ ऐसा ठोस कदम उठाना चाहिए जिससे हम 2 करोड़ केस को 2 साल में खत्म कर सकें। मैं कही भी जाता हूं तो पहला सवाल मेरे सामने यही आता है कि सरकार पेंडिंग केस को खत्म करने के लिए क्या कदम उठा रही है। उन्होंने आगे कहा कि चिंता की बात यह है कि आज देश भर की अदालतों में करीब 5 करोड़ मामले लंबित हैं। इन मामलों को कम करने के लिए सरकार और न्यायपालिका को समन्वय में काम करने की जरूरत है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि निचली अदालतों और उच्च न्यायालयों की कार्यवाही में क्षेत्रीय और स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। स्थानीय अदालतों में क्षेत्रीय एवं स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा दिए जाने की वकालत करते हुए रिजीजू ने कहा कि अदालत की अगर आम होगी तो हम कई समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि मातृको अंग्रेजी से कम नहीं आंका जाना चाहिए और कहा कि वह इस विचार से सहमत नहीं हैं कि एक वकील को अधिक सम्मान, मामले या फीस केवल इसलिए मिलनी चाहिए क्योंकि वह अंग्रेजी में अधिक बोलता है। रिजीजू ने कहा, ''उच्चतम न्यायालय में दलीलें और फैसले अंग्रेजी में होते हैं। लेकिन हमारा दृष्टिकोण यह है कि उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में क्षेत्रीय और स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

केंद्रीय कानून मंत्री ने देश की अदालतों में लंबित मामलों की बड़ी संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि न्यायपालिका और सरकार को मिलकर इस दिशा में कदम उठाने की जरूरत है। रिजीजू ने कहा कि न्याय का द्वार सबके लिए समान रूप से खुला होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि सरकार और न्यायपालिका के बीच बहुत अच्छा तालमेल होना चाहिए, ताकि आम आदमी की सेवा करने, उसे न्याय दिलाने के लक्ष्य में कोई विलंब नहीं हो और कोई न्याय से वंचित नहीं रहे। कानून मंत्री ने कहा कि संसद के अगले सत्र में 71 अलग-अलग कानून निरस्त किए जाएंगे। अदालतों में लंबित मामलों की संख्या पर चिंता जताते हुए रिजीजू ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव काल में देश की अदालतों में कुल लंबित मामलों की संख्या लगभग पांच करोड़ हो गई है। इन पांच करोड़ लंबित मामलों के समाधान के लिए न्यायपालिका और सरकार के बीच तालमेल से हर संभव कदम उठाया जाना चाहिए।

जी-20 शिखर सम्मलेन के लिए दिल्ली को तैयार करने पर खर्च किए जाएंगे 150 करोड़

नई दिल्ली । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद राजधानी में आगामी जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर 150 करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। इसके अंतर्गत भारतीय कला, संस्कृति एवं विरासत पर आधारित आधुनिक बुनियादी ढांचे और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक के जरिए लुटियंस दिल्ली की 41 सड़कों को सुधारा जाएगा इसके साथ ही सौंदर्यीकरण भी होगा। इस संबंध में परिषद के अधिकारियों ने शुक्रवार जानकारी दी। एनडीएमसी सदस्य कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मद्देनजर आजादी का अमृत महोत्सव विषय की झलक सड़कों के कायाकल्प के हर पहलू में दिखेगी। उन्होंने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए सड़कों के उन्नयन की योजना में आधुनिक कला एवं मूर्तिकला, स्ट्रीट फर्नीचर और बुनियादी सुविधाओं को शामिल किया जाएगा। चहल के मुताबिक, परियोजना के तहत सड़कों के किनारे ऐसे फूल-पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा, जो भारत में पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि कम से कम 41 सड़कों का डेवलपमेंट अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप किया जाएगा। चहल के अनुसार, सरदार पटेल मार्ग एनडीएमसी क्षेत्र को हवाईअड्डे से जोड़ने वाली मुख्य सड़क है, लिहाजा इसके बाएं हिस्से का हरित कला एवं मूर्तिकला के जरिए सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा आगामी जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर एनडीएमसी क्षेत्र की 41 सड़कों के उन्नयन एवं सौंदर्यीकरण के लिए 150 करोड़ का बजट उपलब्ध कराया जाएगा। जिन सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा, उनमें संसद मार्ग, रायसीना रोड, कस्तूरबा गांधी मार्ग, टॉल्स्टॉय मार्ग, सरदार पटेल रोड, मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड, फिरोजशाह रोड, सी-हेक्सागन, कनॉट प्लेस की सड़कें, रफी मार्ग, शांति पथ, अशोक रोड, जनपथ, अरबिंदो मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू रोड, एपीजे अब्दुल कलाम रोड, शाहजहां रोड, लोधी रोड, तिलक मार्ग, बाराखंभा रोड और कमाल अतातुर्क मार्ग शामिल हैं।

पीएम मोदी को बदनाम करने के लिए कांग्रेस ने अपनी तिजोरी से तीस्ता सीतलवाड़ को दिए पैसे : संबित पात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात दंगों को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबिता पात्रा ने कहा, 'गुजरात दंगे 2002 में जिस प्रकार प्रधानमंत्री पीएम मोदी को बदनाम करने के लिए कांग्रेस ने अपनी तिजोरी से तीस्ता सीतलवाड़ को दिए पैसे दिए। गुजरात दंगों को लेकर भाजपा ने फर्जी दस्तावेज और शपथ पत्र बनाकर सनसनी फैलाने के आरोप में गिरफ्तार तीस्ता सीतलवाड़ पर एसआईटी ने कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है, जिसे लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोला है। संबिता पात्रा ने कहा, 'गुजरात दंगे 2002 में जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपमानित करने की चेष्टा कांग्रेस ने षड्यन्त्र के तहत की थी, परत दर परत उसकी सच्चाई सामने आ रही है।' संबित पात्रा ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कहा था कि कुछ लोग षड्यन्त्र के तहत इस विषय को जीवित रखने का प्रयत्न कर रहे थे और गलत तथ्य प्रस्तुत कर रहे थे और अब इन लोगों पर भी कानून का शिकंजा कसे।' उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में गठित एसआईटी ने एफिडेविट कोर्ट के सामने रखा है। ये एफिडेविट कहता है कि तिस्ता सीतलवाड़ और उसके सहयोगी मानवता के तहत काम नहीं कर रहे थे। ये राजनीतिक मंसूबे के साथ काम कर रहे थे। इनके 2 आब्जेक्टिव थे।

संबित पात्रा ने कहा कि आज एफिडेविट में ये सामने आया है कि षड्यंत्र के रचयिता सोनिया गांधी के पूर्व मुख्य राजनीतिक सलाहकार अहमद पटेल थे। अहमद पटेल तो सिर्फ नाम है, इस सबके पीछे मुख्य रूप से सोनिया गांधी का नाम है। सोनिया गांधी ने गुजरात की छवि खराब करने और पीएम मोदी को अपमानित करने का षड्यंत्र रचा। पात्रा ने कहा, 'मीडिया में आए एफिडेविट के अनुसार इस काम के लिए पैसे दिए गए। पहले किस्त के रूप में 30 लाख रुपये सोनिया गांधी ने तिस्ता सीतलवाड़ को दिए। अहमद पटेल हमारे बीच नहीं है, लेकिन उन्होंने तो केवल वो डिलीवरी की थी। ये 30 लाख उस जमाने में मात्र पहली किस्त के रूप में दिए गए थे। इसके बाद न जाने कितने करोड़ों रुपये सोनिया गांधी ने पीएम मोदी को अपमानित और बदनाम करने के लिए दिए।

संबित पात्रा ने कहा कि सोनिया गांधी ने केवल राहुल गांधी को प्रोमोट करने के लिए तिस्ता सीतलवाड़ का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि गुजरात दंगों के जरिए पीएम मोदी को परेशान करने की योजना थी। एसआइटी के हलफनामे में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़, गुजरात के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आरबी श्रीकुमार और पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को कथित तौर पर फंसाने और उनकी सरकार को अस्थिर करने के लिए सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार अहमद पटेल से 30 लाख रुपये स्वीकार किए थे। एसआइटी की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

गंभीर खाद्य संकट के कगार पर खड़ा है देश, कांग्रेस का मोदी सरकार पर तंज

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि देश गंभीर खाद्य संकट के कगार पर खड़ा है, क्योंकि अनाज भंडार खाली हो रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि सरकार को संयुक्त किसान मोर्चा से किए वादे के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर समिति बनानी चाहिए और एमएसपी की कानूनी गारंटी देनी चाहिए। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा ने संवाददाताओं से कहा, ''देश के सबसे खुशहाल किसान पंजाब के माने जाते हैं, लेकिन उन पर एक लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। किसान खुदकुशी कर रहे हैं। देश के दूसरे हिस्सों में भी किसानों की यही स्थिति है।''

उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस सरकार के लिए किसान प्राथमिकता में नहीं है। पिछले आठ वर्षों में सरकार ने कॉरपोरेट घरानों के 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज बट्टे खाते में डाला, लेकिन किसानों के छोटे-छोटे कर्ज बट्टे खाते में नहीं डाले जाते।'' खैरा ने कहा, ''संयुक्त किसान मोर्चा से सरकार ने एमएसपी पर समिति बनाने का वादा किया था, लेकिन कुछ नहीं हुआ। हमारी मांग है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए।'' उन्होंने दावा किया, ''देश में अनाज भंडार खाली हो रहे हैं। गंभीर खाद्य संकट सामने खड़ा है। सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही।

भारतीय नौसेना की शक्ति में इजाफा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सौंपा युद्धपोत 'दूनागिरी'

नई दिल्ली(एजेंसी)।

भारतीय नौसेना की शक्ति में और इजाफा हुआ है। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएसयू गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स' द्वारा निर्मित पी17ए युद्धपोत 'दूनागिरी' का यहां हुगली नदी में जलावतरण किया। पी17ए पोत दिशा निर्देशित-मिसाइल युद्धपोत हैं। युद्धपोत के जलावतरण से पहले अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारतीय शिपयार्ड द्वारा पोत का इस तरह से जलावतरण किया जाना देश की आत्मनिर्भरता बढ़ने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका में संकट के समय में भारत उसके साथ खड़े रहने के लिए यथासंभव प्रयास कर रहा है।

प्रोजेक्ट 17 ए के तहत बनाये गये इस चौथे युद्धपोत को कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर लिमिटेड ने बनाया है और इसका नाम उत्तराखंड राज्य की एक पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। यह पी-17 फ्रिगेट (शिवालिक) श्रेणी का पोत है जो नये स्टील्थ फीचर, उन्नत हथियार और सेंसर तथा प्लेटफॉर्म मैनेंजमेंट सिस्टम से लैस है। यह नौसेना के लिएंडर श्रेणी के एएसडब्ल्यू फ्रिगेट का संशोधित स्वरूप है जिसने 5 मई 1977 से 20 अक्टूबर 2010 तक 33 वर्ष तक अपनी सेवा दी और विभिन्न चुनौतीपूर्ण अभियानों तथा बहुराष्ट्रीय अभ्यासों में हिस्सा लिया।

पी-17 ए प्रोजेक्ट के पहले दो पोत का 2019 और 2020 में जलावतरण किया गया था। तीसरे पोत (उदयगिरी) का गत 17 मई को जलावतरण किया गया।

महाराष्ट्रः एकनाथ शिंदे कैबिनेट ने औरंगाबाद, उस्मानाबाद शहरों के नाम बदलने को मंजूरी दी

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ने औरंगाबाद और उस्मानाबाद शहरों के नाम बदलकर क्रमशः छत्रपति संभाजीनगर और धाराशिव रखे जाने को शनिवार को मंत्रिमंडल की मंजूरी दे दी। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के इस्तीफा देने से ठीक पहले, 29 जून को उनकी अगुवाई वाली पूर्ववर्ती महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार ने इन शहरों के नाम बदलने का फैसला किया था। बहरहाल, 30 जून को शपथ ग्रहण करने वाले शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि ठाकरे नीत सरकार का इन शहरों के नाम बदलने का फैसला अवैध है, क्योंकि उन्होंने यह निर्णय राज्यपाल द्वारा विधानसभा में उन्हें बहुमत साबित करने के लिए कहने के बाद लिया। ठाकरे की अध्यक्षता में पिछले महीने हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने का फैसला किया गया था, लेकिन शिंदे नीत सरकार ने शनिवार को इसके आगे 'छत्रपति' जोड़ दिया। इस समय मंत्रिमंडल में केवल दो सदस्य शिंदे और फडणवीस हैं, क्योंकि इसका विस्तार अभी नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि (ठाकरे की अध्यक्षता में हुई) 29 जून की मंत्रिमंडल की बैठक के कार्य विवरण को नई सरकार (शिंदे के नेतृत्व वाली) ने शनिवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी। बयान में कहा गया है, ''मंत्रिमंडल द्वारा आज स्वीकृत ताजा प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा, जिसके बाद दोनों शहरों का नाम संभाग, जिला, तालुका, नगर निगम और परिषद स्तर पर बदला जाएगा।'' मंत्रिमंडल ने प्रस्तावित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम किसान नेता दिवंगत डी बी पाटिल के नाम पर रखने को भी मंजूरी दे दी। उद्धव ठाकरे नीत पूर्ववर्ती सरकार ने पिछले महीने इस संबंध में भी फैसला किया था। शिंदे के शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने के बाद एमवीए सरकार 29 जून को गिर गई थी। शिंदे ने इसके अगले दिन मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

गुजरात में कांग्रेस के लिए जीत हासिल करना मुश्किल है, किंतु नामुमकिन नहीं: मिलिंद देवड़ा

मुंबई। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने कहा है कि गुजरात विधानसभा में जीत हासिल करना उनकी पार्टी के लिए मुश्किल है, लेकिन यह ऐसी चुनौती नहीं है, जिसे जीता न जा सके। इस साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए देवड़ा ने कहा कि पार्टी नोटबंदी के बाद सत्ता विरोधी लहर के बीच पांच साल पहले गुजरात चुनाव जीतने के निकट आ गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य गुजरात में भाजपा 1998 से सत्ता में है, जबकि कांग्रेस 1995 के बाद से विधानसभा चुनाव में एक भी बार जीत हासिल नहीं कर पाई है। कांग्रेस ने 2017 में 77 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने 99 सीट पर कब्जा किया था। देवड़ा ने कहा, ''मैं सही रणनीति बनाने में मदद करने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ मिलकर काम करूंगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जमीनी स्तर पर एकता हो और पहले के चुनावों में हमें प्रभावित करने वाली गलतियों का दोहराव नहीं हो।'' उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक की भूमिका यह सुनिश्चित करना होती है कि चीजें सहजता से आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि इस बार चुनाव जीतने के लिए कोई कसर न छोड़ी जाए। मुंबई दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव में लगातार दूसरी हार और कांग्रेस की मुंबई इकाई के अध्यक्ष पद को छोड़ने के बाद से देवड़ा सुर्खियों से दूर रहते हैं।

पूर्व सांसद ने कहा कि उन्हें गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक की भूमिका देकर पार्टी ने उन पर अपना भरोसा दिखाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को दशकों की सत्ता विरोधी लहर को सामने लाना है और अपनी स्वयं की एक रचनात्मक योजना पेश करनी है। देवड़ा ने कहा, ''चुनौतियां हैं, लेकिन उनसे पार पाना नामुमकिन नहीं है। हम पिछली बार की तुलना में बेहतर कर सकते हैं। एक पर्यवेक्षक की भूमिका राज्य इकाई को यह बताना नहीं है कि क्या करना है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि चीजें सुचारू रूप से चलें और संगठन में एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन बना रहे।'' कांग्रेस को अतीत में राज्य के चुनावों में मिली हार के बारे में सवाल किए जाने पर देवड़ा ने कहा कि गुजरात में जीत हासिल करना कठिन काम है, लेकिन पिछले प्रदर्शनों के आधार पर चुनावी परिणाम की भविष्यवाणी करना उचित नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत जिले के कछेली ग्राम प्रधान के विरुद्ध में हूएं जरूरी लाभो से वंचित ग्रामवासी,तंत्र नही कर रहे निष्पक्ष जांच

शौचालय एवं आवास को लेकर सामने आये कई ऐसे मुद्दे जिसमे पूर्व समय के तलाटी पर भी लगे आरोप

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सचिन,सुरत जिले के कछोली ग्राम पंचायत के प्रधान नजीर शेख और उनके साथीदार-समर्थको सहित पूर्वकालीन के तलाटी कम मंत्री द्वारा गरीबो को जरूरी लाभो से वंचित रखे जाने के आरोप लग चूके है। शिकायत एवं मिडीया की दरमियानगीरी के बावजूद अधिकारीओं की टीम द्वारा निष्पक्ष जांच नहीं हो पा रही होने की घटनाएं सामने आ रही है। बताया जाता है, कि अधिकारी भी गांव के प्रधान को कागजी कार्यवाही में कहीं न कहीं बचा रही होने की संभावनाएं फलित होने लगी है।

सूरत जिले के कछोली गांव में वर्तमान समय के प्रधान नजीर शेख एवी पूर्व तलाटी कम मंत्री के पद पर चार्ज संभाल चूके अधिकारी अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार के आरोप सर शंका के दायरे में आ चूके है। भ्रष्टाचार कुछ ऐसा किया गया जिसमे जरूरतमंद गरीब लाभार्थीओं को शौचालय ओर आवास से वंचित कर दिया गया है। यह समग्र घटनाक्रम में अब सचिन के समाजसेवक राजेन्द्रसिंह शेखावत भी गरीबो को न्याय दिलाने के लिएं उठ खडे हूएं है, ओर उन्होने भी यथा योग्य जगहो पर अधिकारीओं से आपसी सलाह मशवरा करके शिकायतें भी लाभार्थीओं के नामो से दर्ज करवाई है। शिकायतें ओर समाचार पत्रो में प्रकाशित खबरो के कारण अधिकारीओ की टीम जांच पडताल करने आती है लेकिन तटस्थ कार्यवाही नहीं हो रही होने की कई आशंकाये ग्रामजनो को परेशान कर रही है। हालाकी इस विषय पर जर्नालिस्ट फेडरेशन ओफ सचिन द्वारा गांव के प्रधान नजीर शेख से वार्तालाप भी किया गयां. जिसमे उन्होने अपने उपर लगे आरोपों को नकार दिया, जिससे साफ प्रतित हो रहा है, कि प्रधान अपना फिजूल बचाव कर रहे है, क्योकि सभी मौजूदा सबूत गांव के प्रधान व पूर्वकालीन तलाटी के विरूद्ध अब समाज सेवक राजेन्द्रसिंह शेखावत के पास भी आ चूके है।

शेखावत ने कहा की प्रधान नजीर शेख के विरुद्ध एक नहीं लेकिन अनेक भ्रष्टाचार के आरोप लग चूके है। प्रधान को उसके कामो में साथ देते आ रहे है, सभी लोगो के उपर कानूनन कारवाही होनी ही चाहिए। सरकार द्वारा भी ऐसे अधिकारी को जांच पडताल सौंपी जानी चाहिए जो तटस्थस्थ से अपनी जांच करके सही रीपोर्ट सरकार में बैठे उच्च नेतागण व उच्चाधिकारीओ तक पहुंचाएं, जिससे गरीबोंको न्याय मिल शके।

कछोली ग्राम प्रधान का महल

गाँव के नागरिक का घर

कछोली ग्राम पंचायत